सांध्य दैनिक

श्रीकंचनपथ

RNI. Reg. No. CHHHIN/2009/30534
डाक पंजीयन क्रं.-छ.ग./दुर्ग/1000000029/2026-28

लीपा पोती नहीं सिर्फ सच

वर्ष- 17 अंक - 105 | www.shreekanchanpath.com | संस्थापक एवं प्रेरणास्रोत- स्व. श्रीमती रजनी अग्रवाल | भिलाई, मंगलवार 27 जनवरी 2026 | पृष्ठ 8- मूल्य 1/-

खास-खबर

उधमपुर में बस-बाइक की टक्कर, हादसे में चार की मौत

उधमपुर। जम्मू-श्रीनगर नेशनल हाइवे पर मंगलवार को एक सड़क हादसे में चार लोगों की मौत हो गई। यह दुर्घटना उधमपुर जिले के शारदा माता के पास हुई, जहां एक बस और एक मोटरसाइकिल के बीच जोरदार टक्कर हो गई। अधिकारियों ने बताया कि बस उधमपुर की ओर जा रही थी और कथित तौर पर तेज रफ्तार में थी। हादसे की गंभीरता के कारण मौके पर अफरा-तफरी मच गई, जिसमें बस सवार चार लोगों की घटनास्थल पर ही मौत हो गई और कई अन्य घायल हो गए। घायलों को प्राथमिक उपचार के लिए नजदीक अस्पताल ले जाया गया है, जहां उनका इलाज जारी है। वही बस सड़क किनारे खड़े महिंद्रा लोड कैरियर की मरम्मत कर रहे दो मैकेनिकों को भी टक्कर मार दी। दोनों मैकेनिकों को भी गंभीर चोटें आईं और वे घटनास्थल पर ही दम तोड़ गए।

महाकाल मंदिर में वीआईपी दर्शन के खिलाफ याचिका खारिज

नई दिल्ली। सुप्रीम कोर्ट ने मंगलवार को मध्य प्रदेश के उज्जैन में श्री महाकालेश्वर मंदिर के गर्भगृह में वीआईपी दर्शन के खिलाफ दायर याचिका खारिज कर दी। सुप्रीम कोर्ट ने याचिका खारिज करते हुए कहा कि धार्मिक मामलों का नियमन न्याय क्षेत्र का हिस्सा नहीं है और मंदिर प्रबंधन के लोग ही ऐसे मुद्दों पर फैसला करें। हालांकि, मुख्य न्यायाधीश जस्टिस सूर्यकांत और जस्टिस आर महादेवन और जॉयमाल्य बागची की पीठ ने याचिकाकर्ता दर्पण अवस्थी को इस संबंध में मंदिर रअथॉरिटी के सामने अपनी बात रखने को कहा।

बालिका संरक्षण गृह से पांच लड़कियां फरार, दो पहुंची घर, बाकी की तलाश

वृंदावन। राजकीय बालिका संरक्षण गृह से पांच लड़कियां सोमवार रात को फरार हो गईं। लड़कियों के गायब होने से संरक्षण गृह अफरा-तफरी मच गई। एसएसपी एवं पुलिस बल ने मौके पर पहुंच जांच के साथ तलाश शुरू कर दी। बताया जा रहा है कि दो लड़कियां अपने घर पहुंच गई है। जबकि तीन लड़कियों के बारे में कुछ पता नहीं चल सका है। वृंदावन के चैतन्य विहार कालोनी स्थित राजकीय बालिका संरक्षण गृह की अधीक्षिका गायत्री मिश्रा ने पुलिस को सूचना दी कि संरक्षण गृह में रह रही पांच लड़कियां गायब हो गई है।

कांकेर की दो सड़कों के कार्यों के लिए 34.87 करोड़ स्वीकृत

रायपुर। छत्तीसगढ़ शासन लोक निर्माण विभाग द्वारा छत्तीसगढ़ के रजत जयंती महोत्सव के विशेष अवसर पर राज्य के विभिन्न जिलो में महत्वपूर्ण सड़क निर्माण के कार्यों को कराने के लिए स्वीकृति जारी की गई है। इसी कड़ी में रजत जयंती के विशेष मौके पर क्षेत्रीय लोगों का आवागमन सुगम कराने कांकेर जिले के दो सड़को के कार्य कराने के लिए 34 करोड़ 87 लाख 04 हजार रुपये की राशि स्वीकृत किये गये हैं।

छत्तीसगढ़ की झांकी बनी आकर्षण का केंद्र, देश के पहले डिजिटल म्यूजियम की झलक ने किया मंत्रमुग्ध

श्रीकंचनपथ न्यूज

नईदिल्ली/रायपुर। 77वें गणतंत्र दिवस के अवसर पर देश की राजधानी दिल्ली के कर्तव्य पथ पर निकली छत्तीसगढ़ की झांकी ने सभी का मन मोह लिया। यह झांकी देश के पहले आदिवासी डिजिटल म्यूजियम की एक मनमोहक झलक प्रस्तुत करती है, जो उन अमर आदिवासी नायकों को श्रद्धांजलि अर्पित करती है, जिन्होंने ब्रिटिश शासन के अन्यायपूर्ण कानूनों के खिलाफ संघर्ष किया और देश की आजादी के लिए अपने प्राण न्योछावर कर दिए। इस झांकी के माध्यम से आदिवासी समुदाय के गौरवशाली इतिहास और उनके बलिदानों को रेखांकित किया गया। राष्ट्रपति श्रीमती द्रौपदी मुर्मु, प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी सहित केंद्रीय मंत्रियों और विशिष्ट अतिथियों ने झांकी को उत्सुकता के साथ देखा और तालियां बजाकर सराहना की। दर्शक दीर्घा में मौजूद लाखों लोगों ने भी तालियों की गड़गड़ाहट के साथ छत्तीसगढ़ की झांकी का स्वागत किया। झांकी के समक्ष छत्तीसगढ़ के कलाकारों द्वारा प्रस्तुत पारंपरिक लोक नृत्य ने माहौल को और भी जीवंत बना दिया।

झांकी में नवा रायपुर अटल नगर में स्थापित देश के पहले जनजातीय डिजिटल संग्रहालय की झलक दिखाई गई, जहां छत्तीसगढ़ सहित देश के 14 प्रमुख जनजातीय स्वतंत्रता आंदोलनों को आधुनिक डिजिटल तकनीकों के माध्यम से संरक्षित किया गया है। इस ऐतिहासिक संग्रहालय का उद्घाटन प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने छत्तीसगढ़ राज्य गठन की रजत जयंती के अवसर पर किया था।

झांकी के आगे भाग में 1910 के ऐतिहासिक भूमकाल विद्रोह के नायक

झांकी के अग्र भाग में वर्ष 1910 के ऐतिहासिक भूमकाल विद्रोह के नायक वीर गुंडाधुर को दर्शाया गया। धुर्वा समाज के इस महान योद्धा ने अन्यायपूर्ण अंग्रेजी शासन के विरुद्ध जनजातीय समाज को संगठित किया। विद्रोह के प्रतीक के रूप में आम की टहनियां और सूखी मिर्च को विशेष रूप से प्रदर्शित किया गया। विद्रोह की तीव्रता का अनुमान इसी से लगाया जा सकता है कि अंग्रेजों को नागपुर से सेना बुलानी पड़ी, फिर भी वे वीर गुंडाधुर को पकड़ने में असफल रहे।

पीछे भाग में शहीद वीरनारायण सिंह की झलक भी दिखी

झांकी के पृष्ठ भाग में छत्तीसगढ़ के प्रथम शहीद वीर नारायण सिंह को घोड़े पर सवार, हाथ में तलवार लिए दर्शाया गया। उन्होंने अकाल के समय गरीबों और वंचितों के अधिकारों की रक्षा के लिए संघर्ष किया और 1857 के प्रथम स्वतंत्रता संग्राम में अग्रणी भूमिका निभाई। पूरी झांकी जनजातीय समाज के अदम्य साहस, बलिदान और देशभक्ति की भावना को सशक्त रूप में अभिव्यक्त करती रही और गणतंत्र दिवस परेड में छत्तीसगढ़ की गौरवपूर्ण पहचान को राष्ट्रीय मंच पर स्थापित किया।

आदिवासी समुदायों के योगदान को राष्ट्रीय पटल पर लाने की पहल

यह पहल आदिवासी समुदायों के योगदान को राष्ट्रीय पटल पर लाने और युवा पीढ़ी को उनके इतिहास से जोड़ने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है। झांकी में प्रदर्शित कलाकृतियों और प्रस्तुतियों ने दर्शकों को आदिवासी नायकों के शौर्य और बलिदान की याद दिलाई, जिन्होंने देश की आज़ादी के लिए अपना सर्वस्व न्योछावर कर दिया। इस प्रकार, छत्तीसगढ़ की झांकी ने कर्तव्य पथ पर एक ऐतिहासिक और प्रेरणादायक संदेश दिया।

वंदे मातरम के 150 साल की थीम पर कई झांकियां

कर्तव्य पथ पर विद्युत मंत्रालय की झांकी भी निकाली गई। जिसमें स्मार्ट पावर, स्मार्ट होम को थीम बनाया गया। मध्य प्रदेश की झांकी में लोकमाता देवी अहिल्याबाई होल्कर को परिलक्षित किया गया। ओडिशा की झांकी की थीम परंपरा से प्रगति रहा, जिसमें महिला विकास और सेमीकंडक्टर चिप में विकास को भी दर्शाया गया। मणिपुर की झांकी में राज्य की जैविक खेती को दिखाया गया। राजस्थान की झांकी में दस्तकारी और राज्य की समृद्ध संस्कृति को दिखाया गया।

केके लाइन पर पटरी से उतरी गुड्स ट्रेन, जगदलपुर कोरापुट के बीच हुआ हादसा, रेल यातायात प्रभावित

श्रीकंचनपथ न्यूज

जगदलपुर। किरंदुल-विशाखापट्नम को जोड़ने वाली केके लाइन पर सोमवार देर रात गुड्स ट्रेन पटरी से उतर गई। यह हादसा जगदलपुर-कोरापुट के बीचच आउटर लाइन पर हुआ। लौह अयस्क से लदी गुड्स ट्रेन के बेपटरी हुई। सूचना मिलने के बाद रेलवे के उच्च अधिकारी और बचाव दल तुरंत मौके पर पहुंचे। प्रभावित रेल लाइन पर फंसे कर्मचारियों ने रात भर मशक्कत कर ट्रेन को वापस पटरी पर लाने का कार्य शुरू कर दिया।

मिली जानकारी के अनुसार सोमवार को लौह अयस्क से भरी मालगाड़ी केके रेललाइन से जा रही थी। कोरापुट स्टेशन के आउटर सिग्नल के पास अचानक तीसरे इंजन के बाद के दो डिब्बे पटरी से उतर गए। घटना की गंभीरता को देखते हुए, तुरंत एआरटी (एक्सीडेंट रिलीफ ट्रेन) की टीम को मौके के लिए रवाना किया गया। टीम के सदस्यों ने लौह अयस्क से लदे डिब्बों को वापस पटरी पर चढ़ाने के लिए युद्ध स्तर पर प्रयास शुरू कर दिए। जिस स्थान पर ट्रेन डीरेल हुई, वह एक आउटर क्षेत्र है। रेलवे कर्मचारियों ने रात के अंधेरे में भी अथक प्रयास करते हुए बचाव कार्य को प्राथमिकता दी, ताकि जल्द से जल्द सामान्य स्थिति बहाल की जा सके। इस घटना के कारण रेल यातायात प्रभावित हुआ।

भारत-यूरोपियन यूनियन के बीच ट्रेड डील फाइनल

■ **इम्पोर्टेड लग्जरी कारों पर टैरिफ110 प्रतिशत से घटकर 10 प्रतिशत, मोदी बोले दुनिया की इसपर नजर**

नई दिल्ली। भारत और यूरोपीय यूनियन के बीच फ्री ट्रेड डील का ऐलान हो गया है। भारत और यूरोपीय यूनियन के नेताओं ने 16वें भारत-श्व समिट के दौरान इसका ऐलान किया। इस डील के बाद भारत में यूरोपीय कारें जैसे कि बीएमडब्ल्यू, मर्सिडीज पर लगने वाले टैक्स को 110 प्रतिशत से घटाकर 10प्रतिशत कर दिया जाएगा। इसके अलावा भारत में यूरोप से आने वाली शराब और वाइन पर टैक्स कम हो सकता है।

इससे पहले पीएम मोदी ने मंगलवार को एक कार्यक्रम को संबोधित करते हुए बताया कि भारत और श्व के बीच स्त्रञ्ज पर सहमति बन गई है। दुनियाभर

में इसकी चर्चा मदर ऑफआल डील के नाम से हो रही है। पीएम मोदी ने कहा कि भारत और यूरोपीय संघ के बीच बहुत बड़ा एग्रीमेंट हुआ है। दुनिया में लोग इसकी चर्चा मदर ऑफऑल डील के रूप में कर रहे हैं। ये समझौता भारत के 140 करोड़ लोगों और यूरोपीय देशों के करोड़ों लोगों के लिए बहुत बड़े अवसर लेकर आया है। ये दुनिया की दो बड़ी अर्थव्यवस्थाओं के बीच तालमेल का बड़ा उदाहरण बना है। ये समझौता वैश्विक जीडीपी के करीब 25 फीसदी को और ग्लोबल ट्रेड के एक तिहाई हिस्से का प्रतिनिधित्व करता है।

यूरोपीय आयोग की अध्यक्ष उर्सुला वॉन डेर लेयेन ने भारत और यूरोपीय संघके बीच हुए मुक्त व्यापार समझौते को ऐतिहासिक बताया है। उन्होंने कहा कि इस समझौते के साथ भारत और यूरोप ने इतिहास रच दिया है। सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर पोस्ट करते हुए उर्सुला वॉन डेर लेयेन ने कहा कि भारत और यूरोप के बीच मदर ऑफ ऑल डील्स संपन्न हो गई है। उन्होंने कहा कि इस समझौते के जरिए दो अरब लोगों के लिए एक विशाल मुक्त व्यापार क्षेत्र का निर्माण हुआ है, जिससे दोनों पक्षों को लाभ होगा। उन्होंने कहा कि यह केवल शुरुआत है और आने वाले समय में भारत और यूरोपीय संघ अपने रणनीतिक संबंधों को और मजबूत करेंगे।

5 डे-वर्किंग की मांग को लेकर छत्तीसगढ़ सहित देशभर में बैंक कर्मियों की हड़ताल

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। 5 डे वर्किंग की मांग को लेकर देशभर समेत छत्तीसगढ़ में भी करीब 2500 सरकारी बैंक के कर्मचारी हड़ताल पर हैं। बैंकों में ताले लटके हुए हैं। बैंक कर्मचारी रायपुर के मोतीबाग के पास प्रदर्शन कर रहे हैं। इससे पहले शनिवार, रविवार और सोमवार को छुट्टी थी जिससे बैंक से जुड़े काम नहीं हुए।

यूनाइटेड फोरम ऑफ बैंक यूनियंस ने सप्ताह में 5 दिन काम प्रणाली को तुरंत लागू करने की एक सूत्रीय मांग को लेकर 27 जनवरी को राष्ट्रव्यापी हड़ताल का आह्वान किया है। इसका असर छत्तीसगढ़ में भी साफतौर पर दिख रहा है। इससे आम लोगों को परेशानी बढ़ गई है। हालांकि, प्राइवेट बैंक खुले हुए हैं।

प्रदेशभर में सरकारी बैंक बंद

हड़ताल के चलते रायपुर सहित प्रदेशभर में करीब 2500 बैंक शाखाएं प्रभावित हैं। इसमें करीब 25 हजार बैंक अधिकारी और कर्मचारी शामिल हैं। स्टेट बैंक ऑफ इंडिया, पंजाब नेशनल बैंक, बैंक ऑफ बड़ौदा, इंडियन ओवरसीज बैंक समेत 12 सार्वजनिक बैंकों की सेवाएं प्रभावित रहेंगी। हालांकि, इस हड़ताल का असर निजी बैंकों पर नहीं पड़ेगा।

डॉ. लाल उमेद सिंह ने जशपुर एसपी का पदभार संभाला, जिले के 22वें एसपी बने

जशपुर। डॉ. लाल उमेद सिंह (आईपीएस) ने जिले के नए पुलिस अधीक्षक (एसपी) का पदभार ग्रहण कर लिया है। इसके साथ ही वे जशपुर जिले के 22वें पुलिस अधीक्षक बन गए हैं। छत्तीसगढ़ शासन के गृह (पुलिस) विभाग ने 22 जनवरी 2026 को भारतीय पुलिस सेवा के अधिकारियों के स्थानांतरण आदेश जारी किए थे। इसी आदेश के तहत डॉ. लाल उमेद सिंह को जशपुर जिले में पदस्थ किया गया है।

नवपदस्थ एसपी डॉ. लाल उमेद सिंह इससे पहले रायपुर जिले में स्कके पद पर अपनी सेवाएं दे चुके हैं। वे साल 2011 बैच के भारतीय पुलिस सेवा अधिकारी हैं। जिले में उनके प्रशासनिक और पुलिसिंग अनुभव को लेकर बेहतर कानून-व्यवस्था और प्रभावी पुलिसिंग की अपेक्षा की जा रही है। पदभार ग्रहण करने के बाद पुलिस अधिकारियों और कर्मचारियों ने उनका स्वागत किया। जिले के प्रशासनिक और सामाजिक वर्गों को नए पुलिस कप्तान से अपराध नियंत्रण, कानून-व्यवस्था सुदृढ़ करने और जन सरोकारों से जुड़ी पुलिसिंग को अधिक प्रभावी बनाने की उम्मीद है।

छत्तीसगढ़ में बारिश की संभावना, बढ़ेगी ठंड

■ **मौसम विभाग का अनुमान, 1 से 3 डिग्री गिरेगा तापमान**

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। छत्तीसगढ़ में बारिश की संभावना बन रही है। वेस्टर्न डिस्टरबेंस के प्रभाव से 28 जनवरी को उत्तर छत्तीसगढ़ में गरज-चमक के साथ हल्की बारिश हो सकती है। वहीं तापमान की बात करें तो उत्तर छत्तीसगढ़ में अगले 3 दिनों तक न्यूनतम तापमान में कोई खास बदलाव नहीं होगा।

इसके बाद 1 से 3 डिग्री सेल्सियस तक गिरावट की संभावना है। प्रदेश में न्यूनतम तापमान में विशेष परिवर्तन की संभावना नहीं है। पिछले 24 घंटे की बात करें तो सबसे अधिक

अधिकतम तापमान 31.5 डिग्री राजनांदगांव में दर्ज किया गया। सबसे कम न्यूनतम तापमान 10.1डिग्री अंबिकापुर में रहा।

मौसम विभाग के मुताबिक 28-29 जनवरी को सरगुजा, बलरामपुर, कोरिया, जशपुर में हल्की बारिश की संभावना है। वहीं कहीं-कहीं गरज-चमक की संभावना है। मौसम पूरी तरह नहीं बिगड़ेगा, लेकिन बादल और हल्की फुहार संभव है।

मौसम विभाग के अनुसार 30 जनवरी को नया पश्चिमी विक्षोभ गुजरने के बाद उत्तर छत्तीसगढ़ में ठंड बढ़ेगी। न्यूनतम तापमान में 1 से 3 डिग्री सेल्सियस की गिरावट हो सकती है। रात और सुबह ठंड ज्यादा महसूस होगी, खासकर पहाड़ी इलाकों में। रायपुर समेत अन्य जिलों में सुबह धुंध या हल्का कोहरा रह सकता है। दिन में मौसम साफ और हल्की गर्मी बनी रहेगी।

अयोध्या राम मंदिर परिसर में खुलेंगे उप मंदिर

■ **बड़ी संख्या में होगी पुजारियों की भर्ती**

अयोध्या। राम जन्मभूमि परिसर में व्यवस्थाओं को और सुदृढ़ करने की दिशा में बड़ा कदम उठाया जा रहा है। राम मंदिर में जल्द ही करीब 50 नए पुजारियों की भर्ती की जाएगी। यह प्रक्रिया परिसर में स्थित उप-मंदिरों में दर्शन व्यवस्था शुरू होने से पहले पूरी किए जाने की संभावना है, ताकि पूजा-अर्चना और दर्शन सुचारु रूप से संचालित किए जा सकें।

श्रद्धालुओं की बढ़ती संख्या और पूजा व्यवस्थाओं के विस्तार को देखते हुए अतिरिक्त पुजारियों की आवश्यकता महसूस की जा रही है। इसी क्रम में भर्ती की रूपरेखा तैयार की जा रही है। बताया जा रहा है कि चयनित पुजारी वैदिक परंपराओं में पारंगत होंगे और उन्हें राम मंदिर की धार्मिक मर्यादाओं व परंपराओं के अनुरूप दायित्व सौंपे जाएंगे। राम मंदिर में

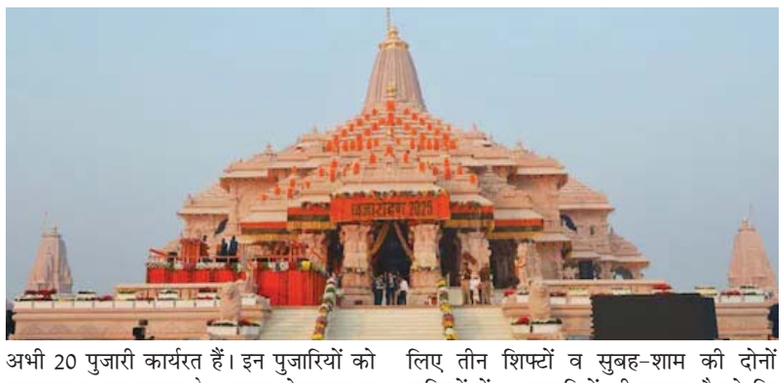

अभी 20 पुजारी कार्यरत हैं। इन पुजारियों को रामलला व राम दरबार के अलावा शेषावतार व परकोटे के छह मंदिरों के अतिरिक्त यज्ञमंडप, सप्त मंडपम व कुबेर टीला पर स्थित कुबेरेश्वर महादेव मंदिर में पूजा-अर्चना की जिम्मेदारी है।

राम मंदिर व राम दरबार के अतिरिक्त सात उप-मंदिरों में नियमित दर्शन शुरू कराने के लिए तीन शिफ्टों व सुबह-शाम की दोनों पालियों में 42 पुजारियों की जरूरत है जो कि आठ-आठ घंटे व उससे अधिक समय तक ड्यूटी कर सकें। इसके अलावा सप्त मंडपम व कुबेर टीला में सुबह सात बजे से शाम सात बजे तक के लिए आठ अतिरिक्त पुजारी की आवश्यकता है। इस तरह से कम से कम 50 पुजारियों की तत्काल आवश्यकता है।

संपादकीय

गण का हो तंत्र

नागरिकों की जवाबदेही-जागरूकता भी जरूरी

ऐसे वक्त में जब हम 77वां गणतंत्र दिवस समारोहपूर्वक मना रहे हैं, सत्ताधीशों के साथ-साथ देश के नागरिकों के लिए भी यह आत्ममंथन का समय है। निर्विवाद रूप से, दुनिया के सबसे बड़े लोकतंत्र की प्रतिष्ठा हमारी संवैधानिक संस्थाओं की जनपक्षधरता और जवाबदेही से सुनिश्चित होती है। लेकिन जरूरत इस बात की है कि हमारे जनतंत्र पर तंत्र हावी न हो। नागरिकों का जीवन सुगम हो और सत्ता व प्रशासन तक उनकी पहुंच सहज हो। वहीं, नागरिकों को भी संवैधानिक संस्थाओं की कार्यशैली और जवाबदेही पर सचेतक निगाह रखनी चाहिए। देश का स्वतंत्र मीडिया जनहितों की रक्षा में महत्वपूर्ण योगदान दे सकता है। गणतंत्र दिवस की पूर्व संध्या पर राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने भी कहा कि समाज में असीम शक्ति होती है। समाज का सक्रिय समर्थन किसी योजना और नीति को बदलाव के आंदोलन में बदल देता है। देश में डिजिटल पेमेंट में जनभागीदारी का उदाहरण देते हुए राष्ट्रपति ने कहा कि पूरी दुनिया के आधे डिजिटल पेमेंट भारत में होते हैं। नि:संदेह, देश में लोकतंत्र की समृद्ध परंपराओं को जनभागीदारी से ही अक्षुण्ण रखा जा सकता है। देश ने कल राष्ट्रीय मतदाता दिवस मनाया। हमारे लोकतंत्र को सशक्त और पारदर्शी बनाने में हमारे वयस्क मतदाता निर्णायक भूमिका निभा सकते हैं। भारतीय लोकतंत्र में हावी होते धनाढ्य लोग, बाहुबलियों और दागी उम्मीदवार तभी दरकिनार हो सकते हैं, जब मतदाता विवेकपूर्ण मतदान के जरिए समाज के जागरूक, ईमानदार और आम उम्मीदवारों को जनप्रतिनिधि संस्थाओं के लिए चुनेंगे।

> “ देश का स्वतंत्र मीडिया जनहितों की रक्षा में महत्वपूर्ण योगदान दे सकता है। गणतंत्र दिवस की पूर्व संध्या पर राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने भी कहा कि समाज में असीम शक्ति होती है। समाज का सक्रिय समर्थन किसी योजना और नीति को बदलाव के आंदोलन में बदल देता है। देश में डिजिटल पेमेंट में जनभागीदारी का उदाहरण देते हुए राष्ट्रपति ने कहा कि पूरी दुनिया के आधे डिजिटल पेमेंट भारत में होते हैं। निःसंदेह, देश में लोकतंत्र की समृद्ध परंपराओं को जनभागीदारी से ही अक्षुण्ण रखा जा सकता है। देश ने कल राष्ट्रीय मतदाता दिवस मनाया। हमारे लोकतंत्र को सशक्त और पारदर्शी बनाने में हमारे वयस्क मतदाता निर्णायक भूमिका निभा सकते हैं।

हाल के वर्षों में देश के लोकतंत्र में महिलाओं की सक्रिय भागीदारी बढ़ी है। उनका मतदान प्रतिशत भी बढ़ा है। बल्कि, उन्होंने कई राज्यों में सरकार बनाने में निर्णायक भूमिका निभाई है। आज आवश्यकता इस बात की है कि खेत-खलिहान से अंतरिक्ष तक और सेना से लेकर अंतर्राष्ट्रीय खेलों में विशिष्ट पहचान बनाने वाली महिलाओं को और सशक्त बनाया जाए। महिलाओं की शिक्षा, सुरक्षा और स्वास्थ्य को हमारी सरकारों को प्राथमिकता की सूची में शामिल करना होगा। बड़े पैमाने पर जनधन खाते खुलने, आवास योजनाओं में संपत्ति का अधिकार मिलने और स्वयं सहायता समूहों में भागीदारी से देश की करोड़ों महिलाएं सशक्त बनी हैं। वहीं, हमारा सौभाग्य है कि भारत दुनिया की सबसे बड़ी युवा आबादी वाला देश है। आज जरूरत इस बात की है कि युवा आबादी को पर्याप्त और समय पर रोजगार मिले। कौशल विकास योजनाओं से उन्हें स्वावलंबी बनाने का मार्ग सुनिश्चित किया जाए। यदि हम हर युवा को रोजगार देना सुनिश्चित कर सकें, तो हम विकसित भारत के लक्ष्य को समय से पहले हासिल कर सकते हैं। हमें दुनिया के तमाम देशों में रोजगार की तलाश में भटक रहे युवाओं को देश में ही सम्मानजनक रोजगार देने का प्रयास करना चाहिए।वहीं दूसरी ओर, देश की खाद्य सुरक्षा सुनिश्चित करने वाले किसानों को फसलों का न्यायसंगत दाम देने के प्रयास तेज़ करने होंगे। सस्ते ब्याज वाले ऋण, बीज और खाद की उपलब्धता सुनिश्चित करके हम उनकी राह आसान कर सकते हैं। प्रधानमंत्री किसान सम्मान योजना से किसानों को राहत जरूर मिली है, लेकिन अभी इस दिशा में बहुत कुछ करना बाकी है।

सुशासन से समृद्धि की ओर छत्तीसगढ़

विष्णु के सुशासन से संवर रहा छत्तीसगढ़

छगन लोन्हारे

मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने 2 वर्ष के मुख्यमंत्रित्व काल में छत्तीसगढ़ राज्य में विकास का एक नया आयाम गढ़कर राज्य के नागरिकों के दिलों में राज करने वाले मुख्यमंत्री के रूप में अपनी विशिष्ट पहचान स्थापित की है। विष्णुदेव साय जनता के बीच के एक ऐसे लोकप्रिय मुख्यमंत्री हैं जिनकी सदाशयता और दूरगामी योजनाओं से प्रदेश में विकास और प्रगति का राह आसान हुआ है। मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय आदिवासी पृष्ठभूमि से आते हैं। इस दृष्टि से आदिवासी पृष्ठभूमि से आने वाले वे प्रदेश के प्रथम मुख्यमंत्री हैं। प्रदेश मे हाल ही में पुलिस महानिदेशकों एवं पुलिस महानिरीक्षको का सम्मेलन आयोजित किया गया। जिसमें प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी एवं केन्द्रीय गृह मंत्री अमित शाह शामिल हुए।

मुख्यमंत्री विष्णु देव साय की सरकार ने एक साल के भीतर छत्तीसगढ़ के किसान भाइयों के खाते में 52 हजार करोड़ रुपए अंतरित कर उन्हें उत्साह से भर दिया है। धान खरीदी समाप्त होने के एक सप्ताह के भीतर किसानों को भुगतान कर दिया गया है। 52 हजार करोड़ रुपए किसानों के खाते में आने से वे खेती किसानी में भरपूर निवेश कर रहे हैं और इससे बाजार भी गुलजार हुए हैं जिससे शहरी अर्थव्यवस्था पर सीधा असर दिख रहा है। ट्रैक्टर आदि की बिक्री ने रिकार्ड आंकड़ा छू लिया है। धान का उचित मूल्य मिलने से किसानों की संख्या में बढ़ोत्तरी हुई और गत वर्ष 25 लाख 72 हजार किसानों ने 149 लाख 25 हजार मीट्रिक टन रिकॉर्ड धान बेचा। सरकार बनने के दूसरे दिन ही केबिनेट की बैठक कर मोदी की गारंटी के अनुरूप 18 लाख 12 हजार 743 प्रधानमंत्री आवास उपलब्ध कराने की स्वीकृत करने का निर्णय लिया गया।

विष्णु देव साय ने अपने दो साल के संक्षिप्त कार्यकाल में छत्तीसगढ़ को सम्पूर्ण देश में एक नई ऊंचाई पर पहुंचाया है। बहुत कम समय में मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने प्रदेश की जनता के बीच जाकर पूरे प्रदेश की जनता का विश्वास जीता है और न केवल विश्वास जीता है बल्कि उनके हित को ध्यान में रखकर उन्होंने ऐसी योजनाओं का क्रियान्वयन किया है जिससे छत्तीसगढ़ का समग्र विकास सम्भव हो पाया है। यह केवल और केवल विष्णुदेव साय जैसे एक संवेदनशील, कर्मठ तथा ऊर्जावान मुख्यमंत्री ही सम्भव कर सकते हैं। नक्सल हिंसा प्रभावित गांवों में नियद नेल्लानार योजना के माध्यम से सड़क, शिक्षा, स्वास्थ्य और संचार जैसी मूलभूत सुविधाएं दुर्गम क्षेत्रों तक पहुंच रही है। प्रदेश में अब तक कुल 69 सुरक्षा केंद्र स्थापित किए गए हैं। मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने मुख्यमंत्री पद का शपथ लेते ही प्रदेश की समस्त महिलाओं को महतारी वंदन योजना जैसी एक लाभकारी योजना का सौगात दिया है।

महतारी वंदन योजना से प्रदेश की महिलाओं को हर माह एक हजार रुपए की राशि दी जाती है जिससे वे स्वावलंबी बन सके एवं स्वयं का रोजगार भी प्रारंभ कर सके। साथ ही प्रदेश भर के किसानों को 2 साल का बकाया बोनस और 31 सौ रुपए प्रति क्विंटल की दर से धान खरीदी जैसे वादों को पूरा कर छत्तीसगढ़ के किसानों का मान बढ़ाया है। प्रदेश की नवीन औद्योगिक नीति से राज्य में अब तक 7.69 लाख रूपए के निवेश के प्रस्ताव मिले हैं। खरीफसीजन में उपज का वाजिब कीमत 3100 रूपए प्रति क्विंटल की दर से धान का उपार्जन किया गया। सरकार किसानों से 21 क्विंटल प्रति एकड़ धान खरीदी की है। मुख्यमंत्री साय की नेतृत्व वाली सरकार के माध्यम से किसानों के खाते में 52 हजार करोड़ रूपए की राशि अंतरित (ट्रांसफर) हुई है। प्रदेश के नगर पालिका चुनाव में ऐतिहासिक जनादेश प्राप्त हुआ। प्रदेश में अब ट्रिपल इंजन की सरकार से नगरों का सर्वांगीण विकास होगा। मुख्यमंत्री ने कहा कि हमारे जवानों के अदम्य साहस और सरकार के निरंतर प्रयासों से नक्सलवाद अब अंतिम सांस ले रहा है। केंद्रीय गृह मंत्री अमितशाह का संकल्प है कि मार्च 2026 तक नक्सलवाद समाप्त कर देंगे। वो संकल्प पूरा होते साफ दिख रहा है विशेषकर बस्तर क्षेत्र में, जो वर्षों से विकास की मुख्यधारा से अछूता रहा है। वहां अब विकास की गंगा बहेगी।

मुख्यमंत्री साय ने कहा कि प्रदेश में बीते 02 वर्षों में 529 नक्सली मारे जा चुके हैं, 1975 नक्सलियों को गिरफ्तार किया गया है और 2628 नक्सलियों ने आत्मसमर्पण किया है। प्रदेश के बस्तर अंचल में आतंक का पर्याय रहे हार्डकोर नक्सली लीडर बसवराजू, लक्ष्मी नरसिम्हा चालम उर्फ सुधाकर, और माडवी हिड़मा को न्यूट्रलाइज किया गया इन पर करोड़ों का ईनाम घोषित था। मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने प्रदेश के हर वर्ग के लोगों को साथ लेकर चलने का बीड़ा उठाया है।

उन्होंने प्रदेश के हर वर्ग की बुनियादी सुविधाओं और जरूरतों को ध्यान में रखते हुए पीएम आवास योजना, कृषक उन्नति योजना, नियद नेल्ला नार, अखरा निर्माण योजना जैसी योजनाओं का शुभारम्भ किया है और जनता के बीच अपनी एक अलग छवि निर्मित की है। मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय जनता के बीच और हर समुदाय के बीच एक ऐसा पुल बनाना जानते हैं जिससे सभी एक दूसरे से जुड़ सके और सभी प्रदेश के हित में अपनी-अपनी जिम्मेदारियों का निर्वाह भी कर सके।

उन्होंने अपने जीवन का बहुमूल्य समय पद्रेश की जनता को समर्पित कर यह सिद्ध कर दिया है कि उनका जीवन केवल उनका नहीं है अपितु प्रदेश की जनता की निस्वार्थ सेवा के लिए समर्पित है। वे सही मायने में एक ऐसे जननेता हैं जिनके लिए जनता ही सब कुछ हैं। ऐसे सेवाभावी और लोकप्रिय जनसेवक बहुत कम होते हैं जिनके लिए जनता का विकास और जनता का साथ ही सबसे महत्वपूर्ण होता है। यह सभी प्रदेशवासियों के लिए गौरवान्वित होने का विषय है कि मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय उनके अपने बीच के लोकप्रिय नेता हैं जिनके लिए प्रदेश की जनता की खुशहाली ही सर्वोपरि है।

उप संचालक (जनसंपर्क)

भावनाओं के नियमन से उजाले की पगडंडी

डॉ. मधुसूदन शर्मा

जीवन की सार्थकता भावनाओं से पलायन करने में नहीं, बल्कि उन्हें उस राह में रूपांतरित करने में है, जो अंतर्मन के अंधेरे से निकलकर शाश्वत प्रकाश की ओर जाती हो।

पहाड़ों या घने जंगलों में लोगों के सतत आवागमन से कुछ रास्ते स्वत: ही बन जाते हैं। इन्हें हम पगडंडी कहते हैं। इनमें कुछ पगडंडियां सुगम होती हैं, जिन पर चलना आसान होता है। वहीं कुछ इतनी संकरी और उबड़खाबड़ होती हैं कि उन पर चलना एक चुनौती बन जाता है। कुछ पगडंडियां हमें हमारे गंतव्य स्थल तक पहुंचाती हैं तो कुछ भटकाव की भूल-भुलैया में छोड़ देती हैं।

दरअसल, मानवीय भावनाओं का संसार भी कुछ ऐसी ही पगडंडियों से बना होता है। प्रसन्नता की पगडंडी हमें खिले हुए फूलों जैसी दुनिया में ले जाती है, जहां सौंदर्य के रिश्तों की अनूठी छटा बिखरी होती है। वहीं दुख की राह किसी घने अंधेरे जंगल में ले जाती है, जहां केवल निराशा और हताशा का वास होता है। भय की राहों पर आशंकाओं के कांटे बिछे होते हैं, तो क्रोध की राह अंगारों से दहक रही होती है।

यहां प्रश्न उठता है कि आखिर भावनाओं की इन पगडंडियों का उद्गम स्थल कहां है? कहां से यह कारवां शुरू होता है? आधुनिक विज्ञान मानता है कि भावनाओं का जन्म हमारे मस्तिष्क में होता है। मस्तिष्क में स्थित 'लिम्बिक सिस्टम' भावना का केंद्र होता है। इसमें विशेष रूप से अमिगडाला की भूमिका प्रमुख होती है, जो भय, क्रोध और आनंद जैसी तत्काल भावनाओं को जन्म देता है। साथ ही डोपामिन, सेरोटोनिन और ऑक्सिटोसिन जैसे रसायनों से भावनाओं का निर्धारण करता है।

मनोविज्ञान इस विमर्श को थोड़ा सूक्ष्म रूप में परिभाषित करता है। इसके अनुसार भावनाएं हमारे विचारों से जन्म लेती हैं। अवचेतन मन में दबी हुई इच्छाएं, पुरानी यादें और गहरे संस्कार सुप्त अवस्था में रहते हैं, जो अचानक किसी उत्प्रेरक के मिलने पर भावना के रूप में फूट पड़ते हैं। कई बार किसी घटना के प्रति हमारा नजरिया भी भावनाओं को जन्म देता है। भारतीय दर्शन और अध्यात्म इसे और गहराई से देखता है। हमारे ऋषि-मुनियों ने कहा है कि भावनाओं का असली घर हमारा चित्त है, जो एक गहरे सरोवर की तरह है। इस सरोवर की तलहटी में हमारे पुराने संस्कार और वृत्तियां जमा रहती हैं। जैसे शांत सरोवर में कंकड़ फेंकने से लहरें उठती हैं, वैसे ही संस्कारों के इस मानस सरोवर में जब बाहरी दुनिया का कोई विषय स्पर्श करता है, तो जो कंपन होता है, वही भावनाएं हैं और यहीं से जन्म होता है -भावनाओं की पगडंडी का।

भावनाओं की पगडंडी के निर्माण के संदर्भ में श्रीमद्भगवद्गीता के अध्याय 2 के श्लोक 62 में भी एक श्लोक मिलता है— 'पहले मन में किसी विषय का चिंतन होता है, चिंतन से उस विषय में आसक्ति पैदा होती है। आसक्ति से कामना जन्म लेती है और जब कामना पूरी नहीं होती या उसमें बाधा पड़ती है, तो क्रोध जन्म लेता है। और इस तरह क्रोध की भावना की पगडंडी का निर्माण होता है।'

दरअसल, इन पगडंडियों पर चलते हुए अक्सर हम दिशा-भ्रमित हो जाते हैं। भावनाओं की जटिलता से निपटने के लिए अक्सर हमारी सहज प्रतिक्रिया उनके 'दमन' की हो जाती है। बचपन से ही हमें 'क्रोध न करने' या 'आंसू रोकने' का प्रशिक्षण दिया जाता है। हम समझते हैं कि भावनाओं का दमन कर देने से हम संयमित कहलाएंगे। जबकि सच्चाई यह है कि भावनाओं का जबरन दमन, बहते पानी पर कच्चा बांध बनाने जैसा है, जिसमें पानी क्षणिक रूप से रुक सकता है, परंतु उसका बढ़ता दबाव अंतत: किसी घातक मानसिक विस्फोट का कारण बनता है। तो फिर अप्रिय भावनाओं से निपटने का समाधान अगर दमन नहीं है तो दूसरा सही मार्ग क्या है? उत्तर है- 'उदात्तीकरण'।

वस्तुत: भावनाएं हमारे अस्तित्व का शाश्वत सत्य हैं। उनसे मुख मोड़ना, उनसे भयभीत होना या उन्हें शत्रु मानकर लड़ना व्यर्थ है। जो पगडंडी गहन अंधकार की ओर जाती है, सजगता और दिशा बदलते ही, वही प्रकाश के शिखर तक भी पहुंचा सकती है। आवश्यकता केवल इस बात की है कि हम आवेग में बहने के बजाय, उस ऊर्जा को सृजन में रूपांतरित कर सकें। नि:संदेह, जीवन की सार्थकता भावनाओं से पलायन करने में नहीं, बल्कि उन्हें उस पगडंडी में रूपांतरित कर देने में है, जो अंतर्मन के अंधेरे से निकलकर शाश्वत प्रकाश की ओर जाती हो।

क्रिकेट को रिश्तों पर जमी बर्फ पिघलाने दें

ज्योति मल्होत्रा

आज भारत और बांग्लादेश का युवा कहीं अधिक आकांक्षी और महत्वाकांक्षी हैं। इसीलिए क्रिकेट नई शुरुआत करने का एक माध्यम बन सकता है। दोनों पक्षों के बीच तनाव को खत्म कर सकता है।

भारत-बांग्लादेश संबंधों के मौजूदा संकट में रोचक पहलू यह कि समाधान हेतु उपयुक्त तमाम घटक उसमें ही मौजूद हैं। भारत के लिए अवसर है कि नकारात्मक सोच वाले उन सभी विरोधियों की बाजी पलट दें जो 1971 के बाद से दो मुल्कों के बीच बेहद खास रिश्तों का पराभव चाहते हैं।

समाधान हेतु मुद्दों की सूची में शीर्ष पर क्रिकेट संकट है, जो एक पखवाड़े पहले हिंदू संगठनों द्वारा इंडियन प्रीमियर लीग में बांग्लादेशी क्रिकेटर मुस्तफिजुर रहमान के खेलने पर रोक लगाने की मांग से पैदा हुई। बीसीसीआई इस मांग पर झुक गई और युवा मुस्तफिजुर को हटाया गया। इससे क्रोधित हुए बांग्लादेशियों का गुस्सा थम नहीं रहा है। उन्होंने टी-20 विश्व कप में भारत के साथ मैच खेलने से इनकार कर दिया है, जिसमें कोलकाता के प्रतिष्ठित ईडन गार्डंस स्टेडियम में होने वाला मैच भी एक है। उनकी मांग थी कि उनसे संबंधित क्रिकेट मैच, ठीक पाकिस्तान की तरह, तटस्थ देश श्रीलंका स्थानांतरित किया जाए।

फिर, यहां एक विचार है। संभवत: बांग्लादेश संबंधित मैचों को दक्षिण भारत में स्थानांतरित कर दिया जाता, जहां पर बंगाली दर्शक कम होते हैं। संभव है उन्हें अमिताव घोष द्वारा पिछले दशकों में, बहुत डूबकर लिखे तीन नॉवेल (द शैडो लाइन्स, द हंग्री टाइड, गन आइलैंड) के झकझोर देने वाले विषय-वस्तु का इतनी गहराई से अहसास न हो। अब शीर्ष भाजपा नेतृत्व के लिए समय आ गया है कि बांग्लादेश नेशनलिस्ट पार्टी (बीएनपी) से राब्ता बनाएं -और

बीएनपी भी यही करे, हालांकि बीएनपी प्रमुख, तारिक रहमान, इन दिनों 12 फरवरी को होने वाले चुनावों की तैयारी के लिए रैलियों-बैठकों के साथ देश का तूफानी दौरा कर रहे हैं। आखिरकार, यदि आरएसएस चीन की कम्युनिस्ट पार्टी से बात कर सकती है, तो शेष कुछ भी संभव है।

यह विचार दोनों पक्षों के लिए है कि अपना चेहरा बचाएं, ठंडे दिमाग वालों को वार्ता करने दें ताकि गर्म दल वाले अवसर हथिया न सकें। हमारे द्विपक्षीय इतिहास में इससे भी बदतर घटित हुआ है। वास्तव में, 1971 में बना उत्साह लंबे समय तक टिका नहीं; चार साल से भी कम अवधि में, 15 अगस्त, 1975 को, बांग्लादेशी फिर से बांग्लादेशियों का कत्ल कर रहे थे। वर्तमान में लौटते हुए। यह तथ्य कि उन्होंने दिल्ली स्थित विदेशी संवाददाता क्लब को एक वॉयस मैसेज जारी किया है, उसमें भी मूल रूप से वही संदेश था। (ऐसा कहा जा रहा है कि उनका क्लब में खुद मौजूद न रहना या वीडियो संदेश जारी न करना, उनसे बनी सहमति का एक हिस्सा है)।

निस्संदेह, भारत-बांग्लादेश के बीच संबंध - अगस्त 2024 में हसीना के तख्ता पलट और हाल ही में बांग्लादेश में निर्दोष हिंदुओं की प्रतिशोध की भावना से की गई हत्याओं से बुरी तरह प्रभावित हुए हैं- क्षति नियंत्रण तुरंत शुरू न करना बहुत नुकसानदायक होगा। एक शुरुआत हो चुकी है, खालिदा जिया के अंतिम संस्कार में भारत की ओर से अंतिम श्रद्धांजलि देने के लिए विदेश मंत्री एस. जयशंकर ढाका गए थे। भारत को न केवल विभिन्न जनजातियों, धर्मों, कुलों और राजनीतिक दलों के मिश्रण वाले संवेदनशील उत्तर-पूर्व अंचल की सुरक्षा के लिए बल्कि पूर्वी दिशा के मुल्कों के साथ रिश्तों में हो रहे तेजी से बदलाव के बीच बांग्लादेश के साथ की जरूरत है। सिर्फ इसलिए नहीं कि अगले कुछ महीनों में पश्चिम बंगाल और असम में चुनाव होने हैं। दोनों राज्यों की सीमा बांग्लादेश से लगती है। कई लोग हसीना के अहंकार-कुशासन का हवाला देते हुए कहते कि उन्हें इसलिए उखाड़ फेंका गया। यह भी उतना ही सच है कि भारत ने बहुत कुछ नजरअंदाज किया, जिसमें यह तथ्य भी शामिल है कि शेख हसीना और बीएनपी का आपस में हमेशा बैर रहा है। बीएनपी ने दो बार राष्ट्रीय चुनाव का बहिष्कार किया, जिससे घरेलू राजनीतिक कलह बढ़ गई।

लेकिन सरकार चाहे कांग्रेस की हो या बीजेपी की, शेख हसीना भारत की पसंदीदा क्यों बनी रहीं, इसका कारण यह है कि वे वास्तव में धर्मनिरपेक्ष रहीं। वे हिंदू अल्पसंख्यकों को सुरक्षित रखने को महत्वपूर्ण समझती थीं, खुली वार्ता के अलावा सीमापारीय व्यापार के पक्ष में थीं। सबसे महत्वपूर्ण यह है कि उन्होंने पाकिस्तान की आईएसआई के नेतृत्व वाले घातक लोगों को घुसने नहीं दिया। वे बंगाल की खाड़ी क्षेत्र में किस कदर नुकसान पहुंचा सकते थे कि उसके सामने धुरंधर फिल्म में दिखाया गया कथानक दार्जिलिंग चाय और वॉटरक्रेस सैंडविच परोसने वाली किटी पार्टी की तरह लगता। उस विशाल हथियार जखीरे को कौन भूल सकता है जो संयोगवश तब मिला था जब तारिक की मां, दिवंगत खालिदा जिया प्रधानमंत्री थीं और जिसका उद्देश्य भारत के सात उत्तर-पूर्वी राज्यों में समस्या पैदा करना था?

आज की तारीख में शेख हसीना दिल्ली में हैं और भारत उन्हें कभी नहीं सौंपेगा, इतनी बात बांग्लादेश को समझनी होगी। बल्कि सराहना भी करनी होगी कि भारत अपने मित्रों का साथ नहीं छोड़ता, चाहे दांव पर कुछ भी क्यों न हो। चाहे न्यायाधिकरण उन्हें सौंपने करने की मांग 'मानवता के खिलाफ अपराधों का दोषी' ठहराकर करें। भारत में उनकी मौजूदगी से द्विपक्षीय संबंधों को दूषित न होने दिया जाए। नए बांग्लादेश को समझना चाहिए कि भारत का विशाल आकार और उपस्थिति उसको वह असाधारण फायदा पहुंचाती है, जिसका मध्य स्तर की शक्तियां केवल सपना देख सकती हैं। अगर सब कुछ योजना के मुताबिक हुआ तो बेगम खालिदा के पुत्र तारिक एक महीने से भी कम समय में बांग्लादेश के नए प्रधानमंत्री होंगे। कुल मिलाकर जयशंकर के साथ उनकी मुलाकात अच्छी रही। अब दोनों पक्षों के लिए लकीर पार करने का समय आ गया है।

लेखिका 'द ट्रिब्यून' की प्रधान संपादक हैं।

गिग वर्कर यूनियनों की मांगे

जब गिग वर्क का चलन तेजी से बढ़ रहा हो, इस काम में लगे श्रमिकों के लिए कामकाज की अपेक्षाकृत अधिक मानवीय परिस्थितियां सुनिश्चित करना सरकार का दायित्व है। गिग वर्कर यूनियनों की बाकी मांगों पर भी सरकार को ध्यान देना चाहिए।

ऐप के जरिए वस्तुओं की दस मिनट के अंदर डिलीवरी के चलन को रुकवाने के लिए केंद्र सरकार ने उचित हस्तक्षेप किया है। इसका नतीजा तुरंत सामने आया। केंद्रीय श्रम मंत्री के साथ ब्लिंकिट, जेप्टो, स्विजी, जमैटो आदि ऐप्स की संचालक कंपनियों के अधिकारियों की हुई बैठक में दस मिनट के अंदर डिलीवरी को रोकने पर सहमति बनी। इन कंपनियों का दावा था कि दस मिनट के अंदर डिलीवरी सुनिश्चित करवाने के लिए उन्होंने बड़ी संख्या में अतिरिक्त वेयरहाउस खोले और अधिक संख्या में डिलीवरी ब्वॉयज की सेवा ली, मगर घर- घर सामान पहुंचाने वाले कर्मियों की नई बनी यूनियनें इस बात से सहमत नहीं थीं। इसीलिए बीते 25 और 31 दिसंबर को जब उन्होंने हड़ताल का आयोजन किया, तो उसमें एक प्रमुख मांग थी कि दस मिनट की शर्त को खत्म किया जाए।

उन्होंने इस संबंध में केंद्रीय श्रम मंत्रालय को ज्ञापन दिया, जिस पर श्रम मंत्री ने स्वागत-योग्य पहल की। जिस दौर में गिग वर्क का चलन तेजी से बढ़ रहा हो, इस काम में लगे श्रमिकों के लिए कामकाज की अपेक्षाकृत अधिक मानवीय परिस्थितियां सुनिश्चित करना सरकार का दायित्व है। गिग वर्कर यूनियनों ने इस संबंध कई और खास मांगें सामने रखी हैं। चूंकि ऐप संचालक कंपनियों ने उन पर विचार करने का कोई संकेत अपनी तरफ से नहीं दिया है, इसलिए अपेक्षित होगा कि सरकार अपनी ये पहल आगे बढ़ाए।

गौरतलब है कि यूनियनों ने न्यूनतम किस्म की मांगें ही रखी हैं। उनमें यह शामिल नहीं है कि गिग वर्करों को कर्मचारी का दर्जा दिया जाए। सिर्फ ऐसा हो जाए, तो इन कर्मियों को कई कानूनी सुरक्षाएं मिल जाएंगी। ब्रिटेन में न्यायिक निर्णय से ऐसे कर्मियों को कर्मचारी का दर्जा मिला था। फिलहाल भारत में मांग यही है कि वर्कर्स को उचित कमीशन मिले, डिलीवरी संबंधी सख्त समयसीमा हटाई जाए और कर्मचारियों को सेवा से हटाने (उनके ऐप को डिसएबल करने) से पहले उनका पक्ष सुना जाए। इनमें एक मांग अब पूरी हुई है। इससे गिग वर्करों को राहत मिलेगी। मगर उनके कामकाज की परिस्थितियों को बेहतर एवं मानवीय बनाने के लिए उनकी बाकी मांगों पर भी गौर किया जाना चाहिए।

ITR फाइल 500/-
Whatsapp पर बनवाएँ
Income Tax फाइल, GST रजिस्ट्रेशन, TDS रिफंड, प्रोजेक्ट रिपोर्ट
CMA DATA, MSME, BALANCE SHEET, फूड लाइसेंस
हमारे Tax Expert आपकी मदद हेतु तैयार है।
सम्पर्क - शेखर गुप्ता 9300755544 - 8878655544
www.onlytds.com

श्रीकंचनपथ
भिलाई-दुर्ग

प्रिंट और डीजिटल मीडिया में
सभी प्रकार के विज्ञापन
के लिए
संपर्क करे
Mob.-:
9303289950
7987166110

प्रमुख खबरें

फिल्मकार अनुराग बसु ने किया भिलाई जिंदाबाद का विमोचन

भिलाई। इस्पात नगरी भिलाई के लेखक व पत्रकार मुहम्मद जाकिर हुसैन की नई किताब भिलाई जिंदाबाद कुछ किस्से-कहानियां का विमोचन फिल्मकार अनुराग बसु ने रविवार को किया किया। राजधानी नवा रायपुर स्थित पुरखौती मुक्तांगन में आयोजित साहित्य उत्सव के समापन समारोह में अनुराग ने यह विमोचन किया। उन्होंने इस्पात नगरी भिलाई पर आधारित रोचक सामग्री को सराहा और लेखक को अपनी शुभकामनाएं दी। उल्लेखनीय है कि वैभव प्रकाशन नई दिल्ली-रायपुर से प्रकाशित इस किताब में इस्पात नगरी भिलाई के स्थापना काल से अब तक के प्रमुख व रोचक घटनाक्रम को लेखक मुहम्मद जाकिर हुसैन ने कलमबद्ध किया है। इसके पूर्व लेखक की भिलाई एक मिसाल और वोल्गा से शिवनाथ तक किताबें प्रकाशित हो चुकी हैं, जो इस्पात नगरी भिलाई के इतिहास को रोचक ढंग से प्रस्तुत करती है।

चंद्रनगर में पेट्रोल पंप मामले में पर तहसीलदार ने स्थगन आदेश जारी किया

भिलाई। चंद्रनगर मे पेट्रोल पंप के मामले में भारी विरोध पर तहसीलदार ने स्थगन आदेश जारी किया है। दरअसल चंद्र नगर कोहका में अग्रसेन आईटीआई के सामने कॉलोनी वासियों को गुमराह कर चारों तरफ मिट्टी के बड़े-बड़े टिले बनाकर कॉलोनी वासियों को कहा गया था कि यहां कंपलेक्स बनाया जा रहा है। 20 फीट की सड़क को कब्जा कर सकरी कर दिया गया एवं कॉलोनी की लोग गिरने लगे घायल होने लगे आपत्ति करने के बावजूद ध्यान नहीं दिया गया तब कॉलोनी के लोगों ने देखा कि यहां पर कॉलोनी वॉसियो को गुमराह कर पेट्रोल पंप का निर्माण भी किया जा रहा है। जबकि सरकार के नियम के अनुसार 30 मीटर परिधि में कोई भी स्कूल कॉलेज नहीं होने चाहिए आवासीय नहीं होना चाहिए पेट्रोल पंप आसपास कॉलोनी नहीं होनी चाहिए। इसके बाद विरोध शुरू हुआ।

राष्ट्रीय मतदाता दिवस पर निगम कर्मियों ने लिया संकल्प

रिसाली। राष्ट्रीय मतदाता दिवस पर नगर पालिक निगम रिसाली ने कार्यक्रम का आयोजन किया। रविवार को आयुक्त मोनिका वर्मा के निर्देश पर कार्यपालन अभियंता सुनील दुबे ने कर्मचारियों को संकल्प दिलाया। नियमित और प्लेसमेंट कर्मचारियों ने निर्भिक और बिना प्रभाव में आकर मतदान करने की शपथ ली। इस अवसर पर इंजीनियर अखिलेश गुप्ता, जयंत शर्मा, रेवती रमन , धर्मेंद्र मिश्रा, गोपाल सिन्हा, रवि श्रीवास्तव, योगेश सुरे, महेश टंडन, अखिलेश वर्मा, विवेक रंगनाथ आदि उपस्थित थे। कार्यक्रम का संचालन चंद्रपाल हरमुख ने किया।

गणतंत्र दिवस समारोह हर्षोल्लास के साथ संपन्न

दुर्ग जिला मुख्यालय में केन्द्रीय राज्यमंत्री तोखन साहू ने ध्वज फहराकर परेड की ली सलामी

श्रीकंचनपथ न्यूज

दुर्ग/भिलाई। 77 वां गणतंत्र दिवस समारोह दुर्ग जिले में पूरे हर्षोल्लास के साथ मनाया गया। मुख्य अतिथि केन्द्रीय आवासन एवं शहरी कार्य राज्यमंत्री तोखन साहू ने दुर्ग के रविशंकर स्टेडियम में आयोजित 26 जनवरी गणतंत्र दिवस के मुख्य समारोह में ध्वज फहराकर परेड की सलामी ली। इस अवसर पर राज्यमंत्री श्री साहू ने मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय का प्रदेश की जनता के नाम संदेश का वाचन किया। उन्होंने उल्लास एवं उमंग के प्रतीक रंगीन गुब्बारे आसमान में छोड़े।

मुख्य अतिथि केन्द्रीय राज्यमंत्री साहू ने कलेक्टर अभिजीत सिंह और एसपी विजय अग्रवाल के साथ परेड का निरीक्षण किया और आम नागरिकों का अभिवादन स्वीकार किया। परेड कमाण्डर रक्षित निरीक्षक श्री नीलकंठ वर्मा के नेतृत्व में जिला पुलिस बल, छत्तीसगढ़ सशस्त्र बल, एनसीसी जुनियर एवं सीनियर के 10 प्लाटून द्वारा आकर्षक मार्च पास्ट करते हुए सलामी मंच के सामने से गुजरे। तत्पश्चात् मुख्य अतिथि राज्यमंत्री श्री साहू प्लाटून कमाण्डरों से परिचय प्राप्त किया।

इस मौके पर उन्होंने शहीद के परिजनों को शॉल एवं श्रीफल भेंट कर सम्मान किया। इस अवसर पर नगर के विभिन्न विद्यालयों के छात्र-छात्राओं ने देश-भक्ति गीतों पर आधारित सांस्कृतिक कार्यक्रम की प्रस्तुति दिये। समारोह के समापन पूर्व मुख्य अतिथि प्रदेश के राज्यमंत्री श्री तोखन साहू ने उल्लेखनीय कार्य करने वाले विभिन्न विभागों के अधिकारियों और कर्मचारियों को सम्मानित किया। समारोह में संभागायुक्त सत्यनारायण राठौर, आईजी अभिषेक शांडिल्य, अहिवारा विधायक डोमन लाल कोर्सेवाड़ा, दुर्ग ग्रामीण विधायक ललित चन्द्राकर, एसपी विजय अग्रवाल, अपर कलेक्टर अभिषेक अग्रवाल, अपर कलेक्टर योगिता देवांगन, अपर कलेक्टर वीरेन्द्र सिंह, संयुक्त कलेक्टर हरवंश मिरी, सिल्ली थॉमस, एसडीएम हितेश पिस्दा, उत्तम ध्रुव, अध्यक्ष केन्द्रीय सहकारी बैंक मर्यादित प्रितपाल बेलचंदन सहित अन्य प्रशासनिक अधिकारी व स्थानीय जनप्रतिनिधि, गणमान्य नागरिक, जिला एवं पुलिस प्रशासन के अधिकारी एवं कर्मचारी उपस्थित थे।

समारोह में प्रथम स्थान प्राप्त झांकी में जिला पंचायत दुर्ग एवं शिक्षा विभाग को संयुक्त रूप से प्रथम स्थान प्राप्त किया। जिला पंचायत द्वारा जल शक्ति अभियान व विकसित भारत जी राम जी का प्रदर्शन किया गया। जल शक्ति अभियान जल संरक्षण को बढ़ावा देने के लिए लागू किया गया है। इस अभियान के तहत वर्षा जल संचयन, जल स्रोतों का पुनर्जीवन और हर घर नल से जल योजना पर ज़ोर दिया जा रहा है। जल सुरक्षा के बिना विकसित भारत की कल्पना संभव नहीं है। अभियान में जनभागीदारी को अहम बताया गया है, ताकि आने वाली पीढ़ियों के लिए पानी सुरक्षित किया जा सके। शिक्षा विभाग द्वारा पीएमश्री स्कूल/उल्लास नवभारत साक्षरता एवं बालवाड़ी को प्रदर्शित किया गया। पीएम श्री स्कूल योजना के माध्यम से गुणवत्तापूर्ण और आधुनिक शिक्षा को बढ़ावा दिया जा रहा है। वहीं उल्लास नवभारत साक्षरता अभियान और बालवाड़ी कार्यक्रम के तहत बच्चों को शिक्षा से जोड़ने पर ज़ोर दिया गया।

द्वितीय स्थान पर महिला एवं बाल विकास विभाग, पशु चिकित्सा विभाग एवं जेल विभाग को संयुक्त रूप से दिया गया। महिला बाल विकास विभाग के झांकी में बाल विवाह मुक्त अभियान को झांकी के माध्यम से प्रदर्शित किया गया। समाज से बाल विवाह जैसी कुप्रथा को समाप्त करने के लिए शुरू किया गया है। इस अभियान के तहत जागरूकता कार्यक्रम, शिक्षा को बढ़ावा और कड़े क़ानूनों के पालन पर ज़ोर दिया गया। पशु चिकित्सा विभाग के झांकी में गौधन योजना/पशु संरक्षण एवं टीकाकरण को प्रदर्शित किया गया, जिसमें गोधन योजना के अंतर्गत पशुओं के संरक्षण, गोवंश संवर्धन और नियमित टीकाकरण पर बल दिया गया। इस योजना के तहत पशुधन को सुरक्षित रखते हुए ग्रामीण अर्थव्यवस्था को मज़बूत करना है। जेल विभाग द्वारा बंदियों द्वारा निर्मित वस्तुओं का प्रदर्शन किया गया। तृतीय स्थान कृषि विभाग एवं उद्यानिकी विभाग को दिया गया। कृषि विभाग द्वारा कृषि उन्नती व जल संरक्षण को प्रदर्शित किया गया।

सांस्कृतिक प्रस्तुति में प्रथम स्थान केपीएस नेहरू नगर भिलाई, द्वितीय विज्ञान विकास केन्द्र दुर्ग, तृतीय शासकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय बघेरा को मिला। सांत्वना पुरस्कार सेजेस दीपकनगर को मिला। परेड में सीनियर वर्ग में जिला पुलिस बल (पुरूष) को प्रथम, सीमा सुरक्षा बल को द्वितीय और नगर सेना (महिला) को तृतीय पुरस्कार प्राप्त हुआ। इसी प्रकार जूनियर वर्ग में प्रथम एनसीसी सीनियर(बालक), द्वितीय एनसीसी सीनियर (बालिका) एवं तृतीय एनसीसी जुनियर (बालक) को पुरस्कृत किया गया।

आईआईटी भिलाई में मनाया गया 77वां गणतंत्र दिवस

भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान (आईआईटी) भिलाई ने अपने परिसर में 77वां गणतंत्र दिवस अत्यंत उत्साह के साथ मनाया । कार्यक्रम का शुभारंभ संस्थान के निदेशक प्रो. राजीव प्रकाश द्वारा ध्वज फहराया गया। जिसके बाद राष्ट्रगान की प्रस्तुति हुई । इस अवसर पर शैक्षणिक क्षेत्र में सुरक्षा कर्मियों द्वारा पारंपरिक 'मार्च पास्ट' का भी आयोजन किया गया। प्रो. राजीव प्रकाश ने अपने संबोधन में राष्ट्र द्वारा संरक्षित संवैधानिक मूल्यों पर प्रकाश डाला। उन्होंने युवा पीढ़ी को उनके अधिकारों के साथ-साथ देश के प्रति मौलिक कर्तव्यों के महत्व की भी याद दिलाई। उन्होंने उन महान विभूतियों और अग्रदूतों के ज्ञान और दूरदर्शिता को नमन किया, जिन्होंने एक मजबूत, लचीले और आत्मनिर्भर भारत की नींव रखी। समारोह के दौरान छात्र - छात्राओं द्वारा सांस्कृतिक कार्यक्रमों की प्रस्तुति दी गई । इस दौरान मेधावी छात्रों को निम्नलिखित प्रतिष्ठित पुरस्कारों पी.के. जैन मेमोरियल अवार्ड, गीतामल घोष रॉय अवार्ड, एलुमनी एसोसिएशन यंग रिसर्चर अवार्ड, आर.पी. सिंह मेमोरियल अवार्ड से सम्मानित किया गया। कार्यक्रम का समापन संस्थान के कुलसचिव विंग कमांडर डॉ. जयेश चंद्र एस. पै. (सेवानिवृत्त) के धन्यवाद ज्ञापन के साथ संपन्न हुआ।

कलेक्टर ने फहराया ध्वजा

गणतंत्र दिवस के अवसर पर कलेक्टर अभिजीत सिंह ने कलेक्टोरेट में ध्वज फहराया। इस अवसर पर कार्यालय के अधिकारी एवं कर्मचारी उपस्थित थे। कलेक्टर ने सभी को गणतंत्र दिवस की हार्दिक शुभकामनाएं एवं बधाई दी।

जनसंपर्क कार्यालय में गणतंत्र दिवस समारोह

गणतंत्र दिवस के अवसर पर जिला जनसंपर्क कार्यालय में संयुक्त संचालक एमएस सोरी ने ध्वज फहराया किया। अधिकारी व कर्मचारियों ने राष्ट्रगान कर तिरंगा झण्डे को सलामी दी। इस अवसर पर कार्यालय के सहायक सूचना अधिकारी भारती साहू, सहायक ग्रेड-2 श्रीमती कनक कोमरा, जिला समन्वयक गावेन्द्र देशमुख एवं दिनेश साहू, हिमेश ठाकुर, अंजली फूले और मंजू कोमरा उपस्थित थे।

संभागायुक्त कार्यालय में समारोह

गणतंत्र दिवस के अवसर पर संभागायुक्त सत्यनारायण राठौर ने कार्यालय संभाग आयुक्त दुर्ग (उद्योग भवन) में ध्वज फहराया। इस अवसर पर कार्यालय के अधिकारी एवं कर्मचारी उपस्थित थे। संभागायुक्त ने सभी को गणतंत्र दिवस की हार्दिक शुभकामनाएं एवं बधाई दी।

सेल स्थापना दिवस-2026 पर साधना सरगम की सुरीली प्रस्तुति ने मोहा भिलाई के श्रोताओं का मन

भिलाई। सेल स्थापना दिवस-2026 के अवसर पर भिलाई इस्पात संयंत्र द्वारा आयोजित कार्यक्रमों की श्रृंखला के अंतर्गत 24 जनवरी 2026 की शाम भिलाई क्लब स्थित रॉयल क्रिस्टल गार्डन में एक भव्य संगीतमय संध्या का आयोजन किया गया। इस विशेष आयोजन में बॉलीवुड की प्रसिद्ध एवं अंतरराष्ट्रीय ख्यातिप्राप्त पार्श्वगायिका साधना सरगम ने अपनी सुमधुर गायकी से उपस्थित श्रोताओं को मंत्रमुग्ध कर दिया।

अपने मधुर एवं प्रभावशाली स्वरों के लिए प्रख्यात सुश्री साधना सरगम ने मुंबई से आए अपने दस सदस्यीय संगीत दल के साथ हिंदी फिल्म संगीत के लोकप्रिय गीतों के साथ-साथ विभिन्न क्षेत्रीय भाषाओं के गीतों की मनमोहक प्रस्तुतियाँ दीं। कार्यक्रम स्थल श्रोताओं से खचाखच भरा रहा और देर रात तक चले इस संगीतमय आयोजन में दर्शकों ने हर प्रस्तुति का भरपूर आनंद लिया। कार्यक्रम के समापन पर दर्शकों ने खड़े होकर तालियों की गड़गड़ाहट के साथ कलाकारों का अभिनंदन किया। कार्यक्रम का संचालन एवं धन्यवाद ज्ञापन सुप्रियो सेन द्वारा किया गया।

सीमा सुरक्षा बल ने रिसाली मुख्यालय में मनाया गणतंत्र दिवस

श्रीकंचनपथ न्यूज

भिलाई। सामरिक मुख्यालय एवं क्षेत्रीय मुख्यालय, सीमा सुरक्षा बल में 77वां गणतंत्र दिवस बड़े हर्षोल्लास एवं गरिमामय वातावरण में मनाया गया। इस अवसर पर उप महानिरीक्षक (पीएसओ) गिरधारी लाल मीणा ने सीमा सुरक्षा बल मुख्यालय रिसाली भिलाई में राष्ट्रीय ध्वज फहराया।

इस मौके पर उप महानिरीक्षक ने कहा कि 26 जनवरी भारतीय गणतंत्र के लिए एक महत्वपूर्ण दिवस है। इसी दिन वर्ष 1950 में भारतीय संविधान लागू हुआ, जिससे भारत एक संप्रभु, लोकतांत्रिक गणराज्य के रूप में स्थापित हुआ।

उन्होंने बताया कि वर्ष 2009 में सीमा सुरक्षा बल को छत्तीसगढ़ के कांकेर जिले में नक्सल विरोधी अभियानों के लिए तैनात किया गया था। वर्तमान में बल कांकेर एवं नारायणपुर जिलों में पूरी प्रतिबद्धता एवं सतर्कता के साथ कार्यरत है। बल की सतत, संगठित एवं प्रभावी कार्यवाहियों के परिणामस्वरूप नक्सलियों की प्रभाव क्षेत्र एवं मनोबल में उल्लेखनीय गिरावट आई है। सुरक्षा बलों के निरंतर दबाव, विकासात्मक प्रयासों तथा स्थानीय जनता के बढ़ते सहयोग से यह स्पष्ट संकेत मिल रहे हैं कि क्षेत्र शीघ्र ही नक्सल हिंसा से मुक्त होने की दिशा में अग्रसर है। इस महत्वपूर्ण उपलब्धि में सीमा सुरक्षा बल के प्रत्येक जवान एवं अधिकारी के साहस, त्याग, अनुशासन एवं कर्तव्यनिष्ठा की निर्णायक भूमिका रही है।

भिलाई इस्पात बिरादरी ने हर्षोल्लास से मनाया गणतंत्र दिवस

■ निदेशक प्रभारी चित्त रंजन महापात्र ने फहराया राष्ट्रीय ध्वज

श्रीकंचनपथ न्यूज

भिलाई। सेल-भिलाई इस्पात संयंत्र में देश का 77वाँ गणतंत्र दिवस 26 जनवरी, 2026 को परंपरागत गरिमा और देशभक्ति के वातावरण में हर्षोल्लासपूर्वक मनाया गया। इस अवसर पर शहीद वीरनारायण सिंह, जयंती स्टेडियम में आयोजित मुख्य समारोह में संयंत्र के निदेशक प्रभारी चित्त रंजन महापात्र ने राष्ट्रीय ध्वज फहराकर भिलाई इस्पात बिरादरी को संबोधित किया तथा गणतंत्र दिवस की शुभकामनाएं दीं।

मुख्य समारोह में निदेशक प्रभारी महापात्र के साथ कार्यक्रम के विशेष अतिथि के रूप में उपस्थित उप महानिरीक्षक (केन्द्रीय औद्योगिक सुरक्षा बल), आईपीएस नागेन्द्र नाथ त्रिपाठी ने परेड की सलामी ली एवं उसका निरीक्षण किया। परेड में महिला कमाण्डो की एक टुकड़ी सहित केन्द्रीय औद्योगिक सुरक्षा बल की चार टुकड़ियां, अग्निशमन दस्ते की एक टुकड़ी, बीएसपी भिलाई विद्यालय, सेक्टर-2 से एनसीसी आर्मी विंग की महिला एवं पुरुष टुकड़ियां, बीएसपी सीनियर सेकेंडरी स्कूल, सेक्टर-10 एवं सेक्टर-7 की एनसीसी एयर विंग की दो टुकड़ियां, बीएसपी सीनियर सेकेंडरी स्कूल, सेक्टर-7 से कब-बुलबुल की एक महिला टुकड़ी तथा सेल एथलेटिक्स अकादमी के राष्ट्रीय स्तर पर विजेता खिलाड़ियों की टुकड़ी द्वारा आकर्षक मार्च पास्ट प्रस्तुत किया गया।

समारोह को संबोधित करते हुए निदेशक प्रभारी चित्त रंजन महापात्र ने भारत के 77वें गणतंत्र दिवस के अवसर पर देश के लोकतांत्रिक मूल्यों पर गर्व व्यक्त किया तथा महान शहीदों, स्वतंत्रता सेनानियों, संविधान निर्माताओं, भारत को सशक्त गणतंत्र बनाने में योगदान देने वाले राजनीतिज्ञों एवं न्यायविदों, सशस्त्र बलों और अन्य सुरक्षा बलों को श्रद्धांजलि अर्पित की। उन्होंने केन्द्रीय औद्योगिक सुरक्षा बल, बीएसएफ, अर्धसैनिक बलों, सशस्त्र बलों, संयंत्र की यूनियनों, भिलाई इस्पात बिरादरी के सदस्यों एवं उनके परिवारजनों को गणतंत्र दिवस की हार्दिक शुभकामनाएं दीं।

निदेशक प्रभारी महापात्र ने सुरक्षा को सर्वोच्च प्राथमिकता बताते हुए सभी से सुरक्षा प्रोटोकॉल का कड़ाई से पालन करने का आह्वान किया, ताकि दुर्घटनाओं की रोकथाम सुनिश्चित की जा सके। उन्होंने वित्त वर्ष 2024-25 में भिलाई इस्पात संयंत्र की उल्लेखनीय उपलब्धियों का उल्लेख करते हुए रिकॉर्ड उत्पादन एवं डिस्पैच, खदान क्षेत्र में महत्वपूर्ण प्रगति तथा ब्लास्ट फर्नेसङ्क8 की तीन दिनों तक 10,000 टन से अधिक हॉट मेटल का उत्पादन कर बनाये गए सेल-स्तर के सर्वकालिक ऐतिहासिक उपलब्धि को रेखांकित किया।

उन्होंने सीएसआर प्रयासों पर प्रकाश डालते हुए चिकित्सा शिविरों, शिक्षा कार्यक्रमों, महिला सशक्तिकरण हेतु व्यावसायिक प्रशिक्षण, कुपोषणङ्गनिवारण के प्रयासों तथा लगभग 4,000 स्कूली बच्चों को लाभान्वित करने वाले गिफ्ट-मिल्क प्रोग्राम के तृतीय चरण सहित स्वास्थ्य सेवाओं के व्यापक विस्तार का उल्लेख किया।

Since 1972
CROWN® TV
Choice Of Millions
Washing Machine / Cooler
Available All Size
CONTACT :
Atlas Radio Traders (Crown)
Sect.-3, D-48, Ward No. 22
Devendra Nagar, Raipur (C.G.) 492009
Near Akash Gas Agency Line

खास खबर

सर्वोपरि कर्तव्य निर्वहन से देश की संवैधानिक बुनियाद को करें मजबूत : कलेक्टर ममगाईं

बेमेतरा । गणतंत्र दिवस के पावन अवसर पर जिला कलेक्टर प्रतिष्ठा ममगाईं ने जिला कार्यालय के सभाकक्ष में आयोजित गरिमामय कार्यक्रम को संबोधित किया। इस अवसर पर उन्होंने उपस्थित समस्त अधिकारियों एवं कर्मचारियों से आह्वान किया कि वे सर्वोच्च प्राथमिकता एवं सर्वोपरि भावना के साथ अपने दायित्वों का निर्वहन कर देश की संवैधानिक बुनियाद को और अधिक सुदृढ़ बनाएं। कलेक्टर ममगाईं ने कहा कि सभी अधिकारी-कर्मचारी राष्ट्रपिता महात्मा गांधी के मूल मंत्र को आत्मसात करते हुए अपने कर्तव्यों का निर्वहन इस भावना के साथ करें कि उनके कार्यों से समाज के अंतिम पंक्ति में खड़े व्यक्ति तक लाभ पहुंचे। उन्होंने कहा कि देश के प्रत्येक नागरिक का कर्तव्य राष्ट्रहित को सर्वोपरि रखना है तथा अपने दायित्वों के माध्यम से देश की अमूल्य लोकतांत्रिक विरासत को मजबूत करना है। उन्होंने आगे कहा कि जिस प्रकार देश की सीमाओं पर तैनात जवान अपनी सेवा और समर्पण से देश की सुरक्षा सुनिश्चित करते हैं, उसी प्रकार प्रत्येक नागरिक भी अपने कर्म, कर्तव्य और ईमानदार कार्यशैली से देश की सुरक्षा, सेवा एवं विकास में सार्थक योगदान दे सकता है। कलेक्टर ने अधिकारियों एवं कर्मचारियों से अपेक्षा की कि वे सौंपे गए दायित्वों का निर्वहन पारदर्शिता, समयबद्धता, सुचिता एवं गंभीरता के साथ करें तथा समाज के वंचित एवं कमजोर वर्गों की सेवा समर्पित भावना से करें। उन्होंने गणतंत्र दिवस की हार्दिक शुभकामनाएं देते हुए कहा कि सभी अधिकारी-कर्मचारी गणतंत्र दिवस के ध्येय और संविधान की भावना को ध्यान में रखते हुए कार्य करें तथा निर्धारित समय-सीमा में सभी क्षेत्रों में लक्ष्यों की पूर्ति सुनिश्चित करें।

राष्ट्रीय मतदाता दिवस पर नए युवा मतदाताओं को मिला ईपिक कार्ड

दंतेवाड़ा। ''भारत के संविधान में विधायिका, कार्यपालिका और न्यायपालिका को पृथक-पृथक अधिकार प्रदत्त है, और देश के संविधान में मतदाता को प्रदत्त जो मताधिकार प्राप्त है वह लोकतांत्रिक शासन प्रणाली में महत्वपूर्ण है। मतदाता के पास मताधिकार के रूप में बड़ी ताकत है, जो विधायिका के निर्वाचन में अहम भूमिका निभाता है और प्रजातांत्रिक प्रणाली में वह सजग होकर जनप्रतिनिधियों के निर्वाचन को पूरा करता है। वर्तमान दौर में इस महत्ती प्रक्रिया में युवा मतदाताओं की अहम भूमिका है, अतः अपने जनप्रतिनिधि का चुनाव करने के लिए निष्पक्ष और निर्भीकता के साथ मताधिकार का प्रयोग करें। जिससे लोकतंत्र को और मजबूती प्रदान किया जा सकें''। आज संयुक्त जिला कार्यालय भवन के सभाकक्ष में राष्ट्रीय मतदाता दिवस कार्यक्रम के अवसर पर पुलिस अधीक्षक गौरव रॉय ने उक्त आशय के साथ विचार प्रकट किए। उन्होंने युवा मतदाताओं को शुभकामनाएं देते कहा कि आज युवा मतदाताओं का नाम जोड़ने सहित उन्हे ईपिक कार्ड मिल रहा है। इन युवा मतदाताओं के कंधे पर बड़ी जिम्मेदारी है। वे हरेक निर्वाचन में सजगता के साथ मताधिकार कर देश के लोकतंत्र को मजबूत बनाने में सक्रिय सहभागिता निभायें। विगत निर्वाचन में इस क्षेत्र में वोटिंग प्रतिशत बढ़ा जिसका पूरा श्रेय युवाओं को है। इस आदिवासी बहुल क्षेत्र में वोटिंग प्रतिशत का बढ़ना बहुत मायने रखता है। इसके साथ ही पुलिस अधीक्षक गौरव रॉय ने सभी अधिकारियों, कर्मचारियों तथा नये मतदाताओं को मतदान की शपथ भी दिलाई। इस मौके पर जिला पंचायत सीईओ जयंत नाहटा ने कहा कि हम दुनिया के सबसे बड़े लोकतांत्रिक देश के नागरिक हैं।

अबूझमाड़ के जाटलूर में पहली बार लहराया तिरंगा

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। अबूझमाड़ के दुर्गम जंगल क्षेत्र में पहली बार आईटीबीपी के सहयोग से देश का 77वां गणतंत्र दिवस जाटलूर घाटी के जाटलूर गांव में उत्साह और आत्मीय वातावरण में मनाया गया। कार्यक्रम का आयोजन कमांडेंट रोशन सिंह असवाल के नेतृत्व में ई-सीओबी जाटलूर के कमांडर सहायक कमांडेंट राम कुमार मौर्य द्वारा किया गया।

इस अवसर पर स्कूल के बच्चों एवं ग्रामीणों के साथ तिरंगा फहराया गया तथा सभी को मिठाइयां वितरित की गईं। इसके बाद आईटीबीपी कैंप परिसर में सामूहिक भोज का आयोजन किया गया, जिसमें जाटलूर एवं हारवेल गांव के 150 से अधिक ग्रामीणों ने सहभागिता की और एक साथ भोजन का आनंद लिया। इस पहल से क्षेत्र में खुशी और अपनत्व का माहौल देखने को मिला।

उल्लेखनीय है कि मुख्यमंत्री विष्णु देव साय के मार्गदर्शन एवं गृह मंत्री विजय शर्मा के प्रयासों से ई-सीओबी जाटलूर की स्थापना आईटीबीपी द्वारा हाल ही में की गई है। कैंप स्थापित होने के बाद से स्थानीय ग्रामीण धीरे-धीरे देश की मुख्यधारा से जुड़ने लगे हैं। आईटीबीपी द्वारा ग्रामीणों को निःशुल्क प्राथमिक चिकित्सा सुविधा उपलब्ध कराई जा रही है।

साथ ही कैंप के सामने पेयजल स्टॉल और बैठने की व्यवस्था भी की गई है, जिससे दूरदराज से आने वाले लोगों को राहत मिल रही है। ग्रामीणों ने बताया कि सुरक्षा बलों की इस संवेदनशील पहल से उनके जीवन में सकारात्मक बदलाव आया है। यह पूरी व्यवस्था 38वीं वाहिनी आईटीबीपी के अधिकारियों और जवानों के समर्पण, जोश और सेवा भाव का परिणाम है।

लाल आतंक पर भारी पड़ा लोकतंत्र नक्सलगढ़ में गूंजा राष्ट्रगान

नियद नेल्लानार के 10 दुर्गम गांवों में आजादी के बाद पहली बार लहराया तिरंगा

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। बस्तर की सुदूर पहाड़ियों और घने जंगलों के बीच बसे उन गांव जहाँ दशकों तक सिर्फ खौफ का साया था, आज राष्ट्रगान की गूँज सुनाई दी। मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय के नेतृत्व और गृहमंत्री विजय शर्मा के मार्गदर्शन में सुकमा जिले के 10 अति-संवेदनशील गांवों में आजादी के बाद पहली बार तिरंगा फहराया गया। यह केवल एक सरकारी आयोजन नहीं, बल्कि नक्सलवाद पर लोकतंत्र की निर्णायक जीत का शंखनाद है।

सुकमा के दुर्गम अंचलों के नियद नेल्लानार के गांव तुमालभट्टी, वीरागंगलेर, मैता, पालागुड़ा, गुंडाराजगुंडेम, नागाराम, वंजलवाही, गोगुंडा, पेदाबोडकेल और उरसांगल में पहली बार गणतंत्र दिवस का पर्व मनाया गया। सुरक्षा बलों की सतत तैनाती और नवीन कैंपों की स्थापना ने वह सुरक्षा घेरा प्रदान किया, जिसके कारण ग्रामीण दशकों के भय को त्यागकर मुख्यधारा से जुड़ने आगे आए।

प्रशासन की सक्रियता से इन गांवों में प्रशासन की पहुँच सुनिश्चित हुई है। बुजुर्गों से लेकर स्कूली बच्चों तक ने भारत माता की जय और वंदे मातरम के नारों के साथ तिरंगे को सलामी दी। ग्रामीणों की आँखों में सुरक्षित भविष्य की चमक इस बात का प्रमाण है कि शासन की 'विश्वास आधारित नीति' रंग ला रही है। सुरक्षा कैंपों के माध्यम से जवानों ने न केवल क्षेत्र को सुरक्षित किया, बल्कि ग्रामीणों का मित्र बनकर उनका दिल भी जीता।

पूना मारगेम (नया रास्ता) से बदलता हुआ सुकमा

छत्तीसगढ़ सरकार का अभियान पूना मारगेम (गोंडी भाषा में जिसका अर्थ है नया रास्ता) अब हकीकत बनता दिख रहा है। सुदूर वनांचलों में तिरंगे का लहराना इस बात की पुष्टि करता है कि अब सुकमा में बंदूक की गूँज नहीं, बल्कि विकास और शांति की लहर चलेगी। जिला प्रशासन और पुलिस बल की इस साझा प्रतिबद्धता ने बस्तर में विकास के एक नए अध्याय की शुरुआत कर दी है।

कोण्डागांव जिले में हर्षोल्लास के साथ मनाया गया गणतंत्र दिवस समारोह

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। कोण्डागांव में 77वाँ गणतंत्र दिवस समारोह पूरे उत्साह और हर्षोल्लास के साथ मनाया गया। जिला मुख्यालय के विकास नगर स्टेडियम में आयोजित मुख्य समारोह में बस्तर विकास प्राधिकरण की उपाध्यक्ष एवं कोंडागांव विधायक सुश्री लता उसेंडी ने राष्ट्रीय ध्वज फहराया और परेड की सलामी ली। इसके बाद विधायक सुश्री उसेण्डी ने कलेक्टर श्रीमती नूपुर राशि पन्ना और पुलिस अधीक्षक पंकज चंद्रा के साथ परेड का निरीक्षण किया।

साथ गणतंत्र दिवस समारोह में स्कूली छात्र-छात्राओं ने व्यायाम और मनमोहक सांस्कृतिक कार्यक्रमों की प्रस्तुति दी, जिसमें विभिन्न विद्यालयों के विद्यार्थियों ने देश भक्ति और विविध संस्कृति पर आधारित कार्यक्रमों का प्रदर्शन किया। सांस्कृतिक कार्यक्रमों की प्रस्तुति के लिए जवाहर नवोदय विद्यालय कोण्डागांव द्वारा महिला क्रिकेट टीम द्वारा वर्ल्डकप जीत पर आधारित प्रस्तुती को प्रथम, स्वामी आत्मानंद अंग्रेजी माध्यम विद्यालय जामकोट पारा द्वारा ऑपरेशन सिंदूर की प्रस्तुति को द्वितीय और शासकीय कन्या उच्चतर माध्यमिक विद्यालय कोण्डागांव द्वारा लोकगीत की प्रस्तुति को तृतीय पुरस्कार प्रदान किया गया।

वहीं परेड प्रदर्शन में आईटीबीपी 29वीं बटालियन को प्रथम, जिला पुलिस बल पुरूष को द्वित्तीय और नगर सेना महिला को तृतीय पुरस्कार प्रदान किया गया। इसी प्रकार जूनियर वर्ग में एनसीसी बालक प्रथम, एनसीसी बालिका द्वितीय और एनएसएस बालक तृतीय स्थान प्राप्त किया।

इस अवसर पर वन विभाग, महिला एवं बाल विकास, शिक्षा विभाग, लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी विभाग, पशु चिकित्सा विभाग, कृषि विभाग, उद्यानिकी विभाग, आदिवासी विकास विभाग, स्वास्थ्य विभाग, जल संसाधन विभाग, पंचायत एवं ग्रामीण विकास विभाग, विद्युत विभाग, क्रेडा एवं यातायात विभाग द्वारा शासन की जनकल्याणकारी कार्यक्रमों पर आधारित आकर्षक झांकी प्रदर्शित की गयी।

हर्ष एवं उल्लास के साथ कांकेर में मनाया गया 77वां गणतंत्र दिवस

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। कांकेर जिले में राष्ट्रीय पर्व 77वां गणतंत्र दिवस हर्ष, उल्लास एवं गरिमामय ढंग से मनाया गया। गणतंत्र दिवस समारोह के मुख्य अतिथि कांकेर सांसद भोजराज नाग ने नरहरदेव शासकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय के खेल परिसर में आयोजित जिला स्तरीय समारोह में ध्वजारोहण कर परेड की सलामी ली। इसके बाद उन्होंने परेड का निरीक्षण किया, इस मौके पर जिले के कलेक्टर निलेशकुमार महादेव क्षीरसागर और पुलिस अधीक्षक निखिल राखेचा भी उनके साथ थे। उन्होंने मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय का प्रदेश की जनता के नाम संदेश का वाचन किया।

समारोह में हर्ष फायर पश्चात पुलिस, होमगार्ड, बस्तर फाईटर्स, वन रक्षक, एनसीसी एवं स्काउट गाइड के कैडेटों द्वारा आकर्षक मार्चपास्ट किया गया। सांसद नाग ने समारोह में शहीद जवानों के परिजनों को शॉल एवं श्रीफल भेंटकर सम्मानित किया। इसके उपरांत विभिन्न स्कूलों के लगभग 01 हजार विद्यार्थियों ने एक साथ सामूहिक व्यायाम किया, इसके बाद उनके द्वारा मनमोहक सांस्कृतिक कार्यक्रम प्रस्तुत किए गये।

हार्स राइडिंग का रोमांचक प्रदर्शन

स्कूली छात्र-छात्राओं द्वारा सांस्कृतिक कार्यक्रम के पश्चात घुड़सवारी प्रशिक्षण केन्द्र सिंगारभाट के युवाओं द्वारा हॉर्स राईडिंग का हैरतअंगेज एवं रोमांचक करतब दिखाया गया, जिसमें स्टैंडिंग सैल्युट, स्टैण्ड लॉस टैगपेडिंग, मटकी कटींग, ट्रीपल टैड पैकिंग, फुटरोल टैड पैकिंग, बकेट पैकिंग, ग्रुप टैड पैकिंग, इंडियन फाईल, जंपिंग और इंडियन झण्डा इत्यादि का प्रदर्शन किया गया।

कार्यक्रम में हार्स राइडिंग पश्चात विभिन्न विभागों क्रमशः जिला पंचायत, वन विभाग, स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण, शिक्षा, कृषि, आदिम जाति कल्याण, महिला एवं बाल विकास, लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी, पशु चिकित्सा सेवायें, मत्स्य पालन विभाग, रेशम, उद्यानिकी, जल संसाधन, जिला व्यापार एवं उद्योग केंद्र और पुलिस विभाग के द्वारा विभागीय योजनाओं पर आधारित झांकी निकाली गई।

विद्यालय भवन केवल ईंट-गारे का ढांचा नहीं, बच्चों के भविष्य की नींवः साव

सेंट जेवियर्स के नवनिर्मित भवन का उप मुख्यमंत्री ने किया उद्घाटन

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। उप मुख्यमंत्री अरुण साव कोंडागांव में सेंट जेवियर्स स्कूल के नवनिर्मित भवन के उद्घाटन कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में शामिल हुए। उन्होंने विधिवत रूप से भवन का उद्घाटन कर विद्यालय प्रबंधन, शिक्षक-शिक्षिकाओं, विद्यार्थियों एवं अभिभावकों को बधाई एवं शुभकामनाएं दीं।

कार्यक्रम को संबोधित करते हुए उप मुख्यमंत्री अरुण साव ने कहा कि विद्यालय भवन केवल ईंट-गारे से बना ढांचा नहीं होता, बल्कि यहीं से बच्चों के चरित्र, संस्कार और भविष्य का निर्माण होता है। श्री साव ने कहा कि उन्होंने स्वयं अपने बचपन में सीमित संसाधनों और मिट्टी से बने विद्यालय भवन में प्राथमिक शिक्षा प्राप्त की, जबकि आज के समय में बच्चों को सर्वसुविधायुक्त विद्यालय भवन उपलब्ध हैं। यह समय का सकारात्मक परिवर्तन है, जिसका सही उपयोग कर बच्चों को आगे बढ़ना चाहिए। श्री साव ने कहा कि सेंट जेवियर्स स्कूल समूह देशभर में गुणवत्तापूर्ण शिक्षा के लिए जाना जाता है और शिक्षा जगत में उसकी एक विशिष्ट पहचान है। इस नवनिर्मित भवन से कोण्डागांव जिले में शिक्षा को नई मजबूती मिलेगी। उन्होंने विद्यार्थियों को प्रेरित करते हुए कहा कि आज के प्रतिस्पर्धात्मक युग में आत्मविश्वास और सकारात्मक सोच अत्यंत आवश्यक है। कमजोर और निराश व्यक्ति कभी सफलता प्राप्त नहीं कर सकता। ऊर्जावान और सकारात्मक सोच रखने वाला व्यक्ति हमेशा आगे बढ़ता है। श्री साव ने कहा कि असफलता से घबराने के बजाय उससे सीख लेकर नए उत्साह और आत्मविश्वास के साथ आगे बढ़ना चाहिए। उन्होंने विद्यार्थियों को लक्ष्य से पहले जीवन की सही दिशा तय करने की सलाह दी और कहा कि नई ऊर्जा, अनुशासन और संकल्प के साथ पढ़ाई में स्वयं को झोंक दें, सफलता अवश्य मिलेगी।

कार्यक्रम को संबोधित करते हुए बस्तर विकास प्राधिकरण की उपाध्यक्ष एवं कोण्डागांव विधायक सुश्री लता उसेण्डी ने नवनिर्मित विद्यालय भवन के शुभारंभ पर शुभकामनाएं दीं। जब सरकार और समाज मिलकर कार्य करते हैं, तो सकारात्मक परिणाम सामने आते हैं। इस भवन के शुभारंभ से कोण्डागांव जिले में शिक्षा सुविधाओं का विस्तार होगा। उन्होंने विद्यार्थियों के उज्ज्वल भविष्य की कामना की।

छत्तीसगढ़ बेवरेज कॉर्पोरेशन लिमिटेड के अध्यक्ष श्रीनिवास राव मद्दी, नगर निगम जगदलपुर के महापौर संजय पाण्डेय, खेम सिंह देवांगन, पूर्व विधायक सेवकराम नेताम, नगर पालिका अध्यक्ष नरपति पटेल, उपाध्यक्ष जसकेतु उसेण्डी, दीपेश अरोरा, जितेन्द्र सुराना, सेंट जेवियर्स स्कूल समूह के डॉ. जी.एस. पटनायक, विद्यालय के प्राचार्य, शिक्षकगण, अभिभावक एवं बड़ी संख्या में विद्यार्थी उपस्थित रहे।

राजनांदगांव जिले में उत्साह एवं हर्ष के साथ मनाया गया गणतंत्र दिवस

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। राजनांदगांव जिले में 77वां गणतंत्र दिवस अपूर्व उत्साह और हर्षोल्लास के साथ मनाया गया। जिला स्तरीय मुख्य समारोह दिग्विजय स्टेडियम में आयोजित हुआ, जहां मुख्य अतिथि विधानसभा अध्यक्ष डॉ. रमन सिंह ने राष्ट्रीय ध्वज फहराकर संयुक्त परेड की सलामी ली। उन्होंने गणतंत्र दिवस पर सभी नागरिकों को शुभकामनाएं दीं। इसके बाद मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय का जनता के नाम संदेश वाचन किया गया।

उसके उपरांत विधानसभा अध्यक्ष ने खुशी और उमंग के प्रतीक रंगीन गुब्बारे आकाश में छोड़े तथा परेड का निरीक्षण किया।

परेड की टुकड़ियों ने तिरंगे को सलामी दी। इस अवसर पर उत्कृष्ट कार्य करने वाले विभिन्न विभागों के अधिकारी-कर्मचारियों को प्रशस्ति पत्र एवं स्मृति चिन्ह प्रदान कर सम्मानित किया गया। शहीद जवानों के परिजनों को शॉल एवं श्रीफल भेंट कर श्रद्धांजलि और सम्मान अर्पित किया गया।

भव्य परेड का प्रदर्शन

परेड का नेतृत्व रक्षित निरीक्षक श्री लोकेश कुमार कसेर ने किया तथा उपनिरीक्षक श्री राकेश पटेल ने टू-आईसी का दायित्व निभाया। परेड में 14 प्लाटून ने आकर्षक मार्चपास्ट प्रस्तुत किया। परेड में 40वीं बटालियन आईटीबीपी,8वीं बटालियन सीएएफ,पुलिस प्रशिक्षण विद्यालय (पुरुष एवं महिला), जिला पुलिस बल (महिला), नगर सेना महिला, दिग्विजय महाविद्यालय नेवल, पुरुष एवं महिला, कमलादेवी महाविद्यालय, स्टेट स्कूल (बालक-बालिका), बसंतपुर शासकीय विद्यालय और एमएलबी स्काउट-गाइड ने हिस्सा लिया।

मनमोहक सांस्कृतिक कार्यक्रम

विभिन्न विद्यालयों के 390 विद्यार्थियों ने व्यायाम और सांस्कृतिक कार्यक्रम प्रस्तुत किए। मुख्य प्रस्तुतियों में पीएमश्री सर्वेश्वर दास नगर पालिक निगम उ.मा.विद्यालय प्रथम स्थान, प्रतिभास्थली ज्ञानोदय विद्यापीठ डोंगरगढ़ द्वितीय स्थान और महारानी लक्ष्मीबाई आदर्श कन्या उ.मा.विद्यालय को तृतीय स्थान मिला। समारोह में जनकल्याणकारी योजनाओं पर आधारित आकर्षक झांकियां प्रस्तुत की गई, जिसमें जिले के 13 विभागों ने शासन की योजनाओं को झांकियों के माध्यम से प्रस्तुत किया।

झांकी प्रतियोगिता में प्रथम स्थान कृषि विभाग, द्वितीय स्थान वन विभाग और तृतीय स्थान जिला पंचायत को मिला। परेड प्रतियोगिता में आर्म्स प्लाटून को प्रथम पुलिस प्रशिक्षण विद्यालय (महिला) और द्वितीय स्थान 40वीं बटालियन आईटीबीपी को मिला। इसी तरह अनआर्म्स प्लाटून वर्ग में प्रथम स्थान दिग्विजय महाविद्यालय (महिला) और द्वितीय स्थान दिग्विजय महाविद्यालय (पुरुष) को मिला।

इस अवसर पर कलेक्टर जितेन्द्र यादव, पुलिस अधीक्षक अंकिता शर्मा सहित जनप्रतिनिधि, अधिकारी-कर्मचारी एवं बड़ी संख्या में नागरिक उपस्थित रहे।

गंजेपन से मुक्ति मात्र 1 घंटे में
COMPLETE FAMILY SALON
हेयर रिप्लेसमेंट, 100% संतुष्टि की गारंटी

JITU'Z
CUT N SHINE
93009-11331
रंगोली बैंगल्स के सामने, जयसवाल इलेक्ट्रानिक के बाजू में इंदिरा मार्केट, स्टेशन रोड, दुर्ग (छ.ग.)

GST NO. 22AHMPB9621P1Z2
PH.: 0788-4060131

अनुप ट्रेडर्स
आर्टिफिशियल ज्वेलरी के विक्रेता
लिंक रोड, केम्प 2, पावर हाउस, भिलाई
मो. 09826389666, 8839749539

57 के हुए बॉबी देओल : कैसे एक क्रिकेट मैच से बदली किस्मत? 'एनिमल' से खुले सफलता के दरवाजे

धर्मेंद्र की अभिनय विरासत को आगे बढ़ाने के लिए 90 के दशक में छोटे बेटे बॉबी देओल ने बॉलीवुड में बतौर अभिनेता कदम रखा। बॉबी देओल ने साल 1995 में फिल्म 'बरसात' से बॉलीवुड में कदम रखा। फिल्म भी अच्छी-खासी चली। वह ऐश्वर्या राय से लेकर प्रीति जिंटा जैसी एक्ट्रेस के साथ बड़े पर्दे पर नजर आए। 'गुप्त', 'सोल्जर' और 'बादल' जैसी फिल्मों भी पसंद किए गए। फिल्म 'बिच्छु' के बाद उनके पास सोलो हीरो वाली फिल्में नहीं आईं। ऐसे में वह मल्टी स्टारर फिल्मों का हिस्सा बने। लेकिन धीरे-धीरे मल्टी स्टारर फिल्मों में भी काम मिलना बंद हो गया। बॉलीवुड में चमकने वाले बॉबी अचानक गुमनामी में पहुंच गए।

अपने डूबते करियर को बचाने के लिए उन्होंने सलमान खान से मदद भी मांगी।सलमान ने भी 'रेस 3' में बॉबी का कमबैक करवाने की कोशिश की लेकिन फिल्म फ्लॉप साबित हुई। फिर एक क्रिकेट मैच ने बॉबी देओल की किस्मत बदल दी, यहां कुछ ऐसा हुआ कि उनके लिए बॉलीवुड और सफलता के दरवाजे फिर खोल दिए।

'एनिमल' के डायरेक्टर ने बॉबी को क्यों दिया कमबैक का मौका?

साल 2023 में संदीप रेड्डी वांगा की फिल्म 'एनिमल' में बॉबी देओल ने अबरार नाम का नेगेटिव रोल निभाया। फिल्म में रणबीर कपूर लीड रोल में थ ,

लेकिन 15 मिनट के नेगेटिव रोल में बॉबी देओल छा गए। अबरार के किरदार ने उनके लिए बॉलीवुड में फिर जगह बना दी, दर्शकों ने भी उनके अभिनय को पसंद किया। लेकिन इस फिल्म का हिस्सा वह बड़े ही दिलचस्प अंदाज में बने थे। एक इंटरव्यू में बॉबी देओल ने बताया था कि संदीप रेड्डी वांगा ने सेलिब्रिटी क्रिकेट लीग के दौरान खींची गई, उनकी एक तस्वीर देखी थी। इस एक तस्वीर के कारण ही 'एनिमल' में अबरार का रोल मिला।

खास एक्सप्रेशन के कारण बॉबी बने 'एनिमल' के लिए पहली पसंद

बॉबी देओल की एक तस्वीर ने उनकी किस्मत बदल दी, दूसरी पारी में सफलता के दरवाजे खोले। बॉबी देओल अपने एक इंटरव्यू में कहते हैं, 'संदीप ने सेलिब्रेटी क्रिकेट लीग की एक तस्वीर दिखाकर कहा कि मुझे आप अपनी फिल्म के लिए चाहिए। उसे तस्वीर में मेरा एक्सप्रेशन बहुत पसंद आया। वह फोटो उस समय की थी, जब मैं बहुत स्ट्रगल कर रहा था, लगभग बिना काम के था।'

इसी तरह एक फोटो ने बॉबी देओल के लिए सफलता के दरवाजे खोल दिए। वैसे फिल्म 'एनिमल' से पहले बॉबी देओल ने ओटीटी पर एक सीरीज 'आश्रम' की थी, इसमें वह एक ढोंगी बाबा के रोल में नजर आए थे लेकिन फिल्मों में कमबैक फिल्म 'एनिमल' से ही हुआ। फिल्म 'एनिमल' में बॉबी नेगेटिव रोल में इतने पसंद किए गए, बॉलीवुड के अलावा साउथ सिनेमा से भी उन्हें ऑफर आने लगे। 'कंगुवा', 'हरि हर वीरा मल्लू' जैसी साउथ की बड़ी हिट फिल्मों में वह नजर आए। साउथ में बतौर एक्टर 2.0 फेज में उनका डेब्यू हुआ। इस साल भी वह विजय थलापति की फिल्म 'जन नायकन' में नजर आने वाले थे, जिसकी रिलीज डेट का मामला कोर्ट में है।

अनुराग कश्यप की फिल्म 'बंदर' से मिली अलग पहचान

बॉबी देओल ने अपने 2.0 फेज में सिर्फ नेगेटिव रोल से ही पहचान नहीं बनाई। वह अनुराग कश्यप की फिल्म 'बंदर' का भी हिस्सा बने। इस फिल्म का प्रीमियर पिछले साल टोरंटो इंटरनेशनल फिल्म फेस्टिवल में हुआ। बॉबी देओल ने बहुत ही उम्दा अभिनय किया, जिसे क्रिटिक्स ने भी खूब सराहा है।

सीरीज 'बैड्स ऑफ बॉलीवुड' में ऑडियंस को किया हैरान

पिछले साल रिलीज हुई सीरीज 'बैड्स ऑफ बॉलीवुड' को शाहरुख खान के बेटे आर्यन खान ने निर्देशित किया था। इस सीरीज में भी बॉबी देओल ने अजय तलवार का दमदार किरदार निभाया। एक्शन और इमोशन का ऐसा मेल दर्शकों को दिया कि उनकी हर तरफ चर्चा होने लगी।

एक्ट्रेस मिमी चक्रवर्ती ने स्टेज परफॉर्मेंस के दौरान उत्पीड़न का लगाया आरोप

मिमी चक्रवर्ती ने एक लाइव स्टेज शो के दौरान उत्पीड़न और अपमान का आरोप लगाया है। यह घटना रविवार को बनगांव शहर के नयाग्राम इलाके में हुए एक सांस्कृतिक कार्यक्रम में हुई। मिमी की शिकायत के अनुसार, आयोजकों में से एक व्यक्ति तन्मय शास्त्री स्टेज पर चढ़ गया। उसने मिमी की परफॉर्मेंस को बीच में रोक दिया और आधी रात को उन्हें स्टेज से उतरने के लिए कहा। मिमी ने कहा कि इस घटना से उन्हें बहुत अपमान और बुरा लगा। उन्होंने ईमेल के जरिए बनगांव पुलिस स्टेशन में लिखित शिकायत दी।

दूसरी तरफ आयोजक युवक संघ क्लब ने इन आरोपों से इनकार किया है। उनका कहना है कि मिमी तय समय से करीब एक घंटा लेट आईं। तन्मय शास्त्री ने कहा, 'कार्यक्रम की इजाजत सिर्फ आधी रात तक की थी। इलाके में छात्रों की बोर्ड परीक्षाएं होने वाली हैं, इसलिए कार्यक्रम को समय पर रोकना पड़ा। हमने मिमी का अपमान नहीं किया और न ही उन्हें परेशान किया। उनके आरोप बिल्कुल गलत हैं।' उन्होंने यह भी आरोप लगाया कि मिमी के बॉडीगार्ड्स ने क्लब की महिला सदस्यों के साथ बदतमीजी की, जो रात 11:45 बजे उन्हें सम्मान देने स्टेज पर आई थीं। तन्मय शास्त्री ने आगे कहा, 'हमें पता है कि मिमी एक बड़ी स्टार हैं, लेकिन अगर हम रात 12 बजे के बाद कार्यक्रम चलाते तो पुलिस खुद आकर बंद करवा देती और हम पर केस करती। अगर मिमी को कोई गलतफहमी हुई है या उन्हें बुरा लगा है, तो हम इसके लिए माफी मांगते हैं।' पुलिस इस मामले की जांच कर रही है।

कौन हैं मिमी चक्रवर्ती

मिमी चक्रवर्ती एक भारतीय बंगाली अभिनेत्री, गायिका और पूर्व राजनीतिज्ञ हैं। वह मुख्य रूप से टॉलीवुड (बंगाली फिल्म उद्योग) में अपने काम के लिए प्रसिद्ध हैं। 2019 में, उन्होंने राजनीति में कदम रखा और ऑल इंडिया तृणमूल कांग्रेस (तृणमूल कांग्रेस) के टिकट पर जादवपुर से लोकसभा सांसद चुनी गईं, लेकिन स्थानीय नेताओं के साथ मतभेद के कारण 2024 में इस्तीफा दे दिया।

चहल से दोस्ती टूटने के बाद महवश का क्रिप्टिक पोस्ट: बोलीं- लाइफ को फिक्स कर रही, हाल ही में एक-दूसरे को इंस्टाग्राम पर किया अनफॉलो

आरजे और कंटेंट क्रिएटर महवश की हालिया सोशल मीडिया एक्टिविटी ने एक बार फिर भारतीय क्रिकेटर युजवेंद्र चहल के साथ उनके रिश्ते को लेकर चर्चाओं को हवा दे दी है। इंस्टाग्राम पर एक-दूसरे को अनफॉलो करने के कुछ ही दिनों बाद महवश ने एक क्रिप्टिक पोस्ट शेयर किया, जिसने फैंस का ध्यान खींचा है।

महवश ने इंस्टाग्राम स्टोरी पर अपनी एक छोटी सी वीडियो क्लिप शेयर की, जिसमें वह कार में बैठकर बाल ठीक करती नजर आ रही हैं। वीडियो के साथ उन्होंने लिखा- 90 प्रतिशत समय आप मुझे अपने बाल फिक्स करते हुए देखेंगे। बाकी समय मैं अपनी लाइफ को फिक्स कर रही होती हूं। इसके साथ उन्होंने हंसने वाला इमोजी भी लगाया। इसके बाद एक और स्टोरी में महवश ने अपनी तस्वीर शेयर करते हुए लिखा, आपके जीवन में शांति की दुआ कर रही हूं। सोशल मीडिया यूजर्स इन पोस्ट्स को उनकी पर्सनल लाइफ से जुड़ी चल रही चर्चाओं से जोड़कर देख रहे हैं। महवश की ये पोस्ट्स ऐसे समय पर सामने आई हैं, जब हाल ही में उन्होंने और युजवेंद्र चहल ने इंस्टाग्राम पर एक-दूसरे को अनफॉलो कर दिया। हालांकि, दोनों में से किसी ने भी इस अनफॉलो के पीछे की वजह पर कोई प्रतिक्रिया नहीं दी है।

गौरतलब है कि चहल और महवश के रिश्ते को लेकर लंबे समय से अटकलें लगती रही हैं, खासकर 2025 में चहल के कोरियोग्राफर धनश्री वर्मा से तलाक के बाद। दोनों को कई मौकों पर साथ देखा गया, जिसके बाद डेटिंग की खबरें तेज हो गईं। हालांकि, चहल पहले ही इन अफवाहों को खारिज कर चुके हैं। राज शमानी के पॉडकास्ट में उन्होंने साफ कहा था कि उनके और महवश के बीच सिर्फ दोस्ती है।

जन नायकन' सेंसर सर्टिफिकेट विवाद: मद्रास हाईकोर्ट में एकल पीठ का आदेश रद्द

एक्टर विजय की फिल्म 'जन नायकन' अपनी रिलीज को लेकर विवादों में है। मामला कोर्ट तक पहुंचा। दरअसल, विजय स्टारर फिल्म के मेकर्स ने सेंट्रल बोर्ड ऑफ फिल्म सर्टिफिकेशन द्वारा सेंसर सर्टिफिकेट जारी न किए जाने के बाद कोर्ट का रुख किया था। बीते 20 जनवरी को मद्रास हाईकोर्ट में इस मामले पर सुनवाई हुई थी और कोर्ट ने फैसला सुरक्षित रख लिया था, जो आज सुनाया गया है। जानिए क्या कहा है?

न्यूज एजेंसी पीटीआई के मुताबिक मद्रास हाईकोर्ट ने एकल पीठ का आदेश रद्द

कर दिया है। इसके बाद फिल्म की रिलीज डेट पर अभी सस्पेंस बरकरार है। कोर्ट ने एकल पीठ के उस आदेश को रद्द किया है, जिसमें सीबीएफसी को 'जन नायकन' को सेंसर सर्टिफिकेट देने का निर्देश दिया गया था। फिल्म 'जन नायकन' को बतौर एक्टर विजय की आखिरी फिल्म कहा जा रहा है, क्योंकि अब वे राजनीति में सक्रिय हो चुके हैं। यह फिल्म 09 जनवरी 2026 को रिलीज होनी थी, मगर सीबीएफसी द्वारा फिल्म को क्लियर करने से मना करने के बाद इसे टाल दिया गया है। अब आज मंगलवार को मद्रास हाई कोर्ट की एक डिवीजन बेंच ने सीबीएफसी की उस अपील को मंजूरी दे दी, जिसमें एक सिंगल-जज के उस निर्देश को चुनौती दी गई थी, जिसमें विजय-स्टारर फिल्म जन नायकन को तुरंत सेंसर क्लीयरेंस देने को कहा गया था।

चीफ जस्टिस एम एम श्रीवास्तव और जस्टिस जी अरुल मुरुगन की फर्स्ट बेंच ने कहा कि सिंगल जज, जस्टिस पीटी आशा को सेंट्रल बोर्ड ऑफ फिल्म सर्टिफिकेशन को काउंटर एफिडेविट दाखिल करने के लिए समय देना चाहिए था।

बता दें कि 20 जनवरी को बेंच ने दोनों पक्षों की लंबी दलीलें सुनने के बाद, जस्टिस आशा के दिए गए एक आदेश के खिलाफ सेंट्रल बोर्ड ऑफ फिल्म सर्टिफिकेशन की अपील पर आदेश सुरक्षित रख लिया था जस्टिस आशा ने 9 जनवरी को फिल्म 'जया नायकन' के प्रोड्यूसर की याचिका मंजूर कर ली थी और सीबीएफसी को तुरंत सेंसर सर्टिफिकेट जारी करने का निर्देश दिया था।

'बॉर्डर 2' ने तोड़ा 'पठान' का रिकॉर्ड, वर्ल्डवाइड 200 करोड़ क्लब में शामिल हुई सनी देओल की फिल्म

'बॉर्डर 2' ओपनिंग डे से लेकर अब तक जबरदस्त कलेक्शन कर रही है। हर दिन यह फिल्म 'धुरंधर' को कमाई के मामले में पीछे छोड़ रही है। 'बॉर्डर 2' के पास सोमवार को यानी गणतंत्र दिवस के मौके पर कमाई बढ़ाने का अच्छा मौका था। इस फिल्म ने ऐसा किया भी, सनी देओल की फिल्म ने कल यानी 26 जनवरी के दिन रिलीज के बाद सबसे ज्यादा कलेक्शन (सिंगल डे कलेक्शन) किया है। जानिए, फिल्म ने अब तक कुल कितना कलेक्शन कर लिया है।

'बॉर्डर 2' ने सिनेमाघरों में गणतंत्र दिवस से चार दिन पहले दस्तक दी थी। ओपनिंग डे पर फिल्म ने 30 करोड़ रुपये कमाए। दूसरे दिन 36.50 करोड़ रुपये की कमाई की। वहीं तीसरे दिन 54.5 करोड़ रुपये का कलेक्शन किया। लेकिन गणतंत्र दिवस के दिन यान रिलीज के चौथे दिन 'बॉर्डर 2' ने 59 करोड़ रुपये का कलेक्शन किया है। यह रिलीज के बाद फिल्म का सिंगल डे पर सबसे ज्यादा कलेक्शन है।

फिल्म 'बॉर्डर 2' के कुल कलेक्शन की बात करें तो इसने अब तक 180 करोड़ रुपये कमा लिए हैं। फिल्म भारतीय बॉक्स आफिस पर 200 करोड़ क्लब का हिस्सा बनने से गणतंत्र दिवस के मौके पर चूक गई, पांचवें दिन

फिल्म यह जादुई आंकड़ा छू सकती है। लेकिन इसने वर्ल्डवाइड कलेक्शन के मामले में 200 करोड़ रुपये के कुल कलेक्शन का आंकड़ा छू लिया है।

वर्ल्डवाइड कलेक्शन में भी किया कमाल

फिल्म 'बॉर्डर 2' ने सिर्फ भारतीय बॉक्स ऑफिस पर कमाल नहीं किया है। इसने वर्ल्डवाइड भी अच्छा कलेक्शन कर लिया है। फिल्म ने अब तक वर्ल्डवाइड 239.20 करोड़ रुपए की कमाई की है। जनवरी में रिलीज हुई भारतीय फिल्मों के वर्ल्डवाइड कलेक्शन की लिस्ट में यह दूसरे नंबर पर है। इसने साउथ फिल्म 'राजा साब' के कलेक्शन को पीछे छोड़ दिया है। इसी साल 9 जनवरी को रीलीज हुई 'द राजा साब' ने वर्ल्डवाइड 205.66 करोड़ रुपये की कमाई की थी।

चौथे दिन की कमाई में इन फिल्मों को पीछे छोड़ा

- चौथे दिन 'बॉर्डर 2' ने कई वॉर ड्रामा और एक्शन फिल्मों का रिकॉर्ड तोड़ा है। जानिए, इसने किन-किन फिल्मों को चौथे दिन की कमाई में पीछे छोड़ दिया है।
- 'बॉर्डर 2' ने शाहरुख खान की फिल्म 'पठान' के चौथे दिन के कलेक्शन को भी पार कर लिया है। 'पठान' ने चौथे दिन 51.5 करोड़ रुपये की कमाई की थी।
- सनी देओल ने अपनी ही फिल्म 'गदर 2' का चौथे दिन की कमाई का रिकॉर्ड भी तोड़ा है। 'गदर 2' ने चौथे दिन 38.70 करोड़ रुपये कमाए थे।
- 'बॉर्डर' ने ऋतिक रोशन की वॉर ड्रामा फिल्म 'फाइटर' के चौथे दिन के कलेक्शन को पीछे छोड़ दिया। 'फाइटर' ने चौथे दिन सिर्फ 29 करोड़ रुपये का कलेक्शन किया था।
- पिछले साल रिलीज हुई 'छावा' की चौथे दिन की कमाई को भी 'बॉर्डर 2' ने पीछे छोड़ा है। फिल्म 'छावा' ने चौथे दिन 24 करोड़ रुपये की कमाई की थी।
- पिछले साल के आखिर में रिलीज हुई 'धुरंधर' ने बॉक्स ऑफिस पर जमकर कलेक्शन किया था लेकिन चौथे दिन यह सिर्फ 23.25 करोड़ रुपए ही कमा सकी थी।

उप मुख्यमंत्री विजय शर्मा ने अम्बिकापुर में फहराया राष्ट्रीय ध्वज

सरगुजा में 77 वां गणतंत्र दिवस पूरे हर्षोल्लास के साथ मनाया गया

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। सरगुजा जिले में 77 वां गणतंत्र दिवस पूरे हर्षोल्लास के साथ मनाया गया। अम्बिकापुर के पीजी कॉलेज मैदान में आयोजित जिला स्तरीय गणतंत्र दिवस समारोह में मुख्य अतिथि छत्तीसगढ़ शासन के उपमुख्यमंत्री विजय शर्मा ने राष्ट्रीय ध्वज फहराकर परेड की सलामी ली। उन्होंने परेड का निरीक्षण करने के साथ मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय द्वारा प्रदेश की जनता के नाम प्रेषित संदेश का वाचन किया।

उन्होंने तिरंगे के प्रतीक रूप में रंग-बिरंगे गुब्बारे आकाश में छोड़े। उन्होंने शहीद जवानों के परिजनों को शॉल और श्रीफल देकर सम्मानित किया साथ ही जिले के उत्कृष्ट कार्य करने वाले अधिकारी-कर्मचारियों को प्रशस्ति पत्र देकर सम्मानित किया। गणतंत्र दिवस के अवसर पर विभिन्न विभागों द्वारा झांकियों के द्वारा जिले के विकास कार्यों एवं विभिन्न योजनाओं का प्रदर्शन किया गया। परेड की टुकड़ियों द्वारा किया गया शानदार मार्च पास्ट- गणतंत्र दिवस समारोह में परेड इन कमाण्डर रक्षित निरीक्षक तृप्ति सिंह राजपूत, सेकेण्ड परेड इन कमाण्ड उप निरीक्षक सुनीता भारद्वाज के नेतृत्व में 14 टुकड़ियों के द्वारा शानदार मार्च पास्ट किया गया। इस दौरान दलों ने देशभक्ति धुनों पर कदम से कदम मिलाते हुए आकर्षक मार्चपास्ट का प्रदर्शन किया।

उत्कृष्ट कार्य करने वाले 83 अधिकारी-कर्मचारी हुए सम्मानित

गणतंत्र दिवस समारोह में विभिन्न विभागों के उत्कृष्ट कार्य करने वाले 83 अधिकारी - कर्मचारियों को प्रशस्ति पत्र एवं मोमेंटो प्रदान कर उपमुख्यमंत्री शर्मा ने सम्मानित किया। कार्यक्रम में स्कूली बच्चों के द्वारा मनमोहक

सांस्कृतिक प्रस्तुतियां दी गईं। विजेता प्रतिभागियों को उपमुख्यमंत्री शर्मा द्वारा सम्मानित किया गया।

इस अवसर पर राज्य गृह निर्माण मंडल अध्यक्ष अनुराग सिंहदेव, राज्य युवा आयोग के अध्यक्ष विश्वविजय सिंह तोमर, जिला पंचायत अध्यक्ष निरुपा सिंह एवं उपाध्यक्ष देवनारायण यादव, नगर पालिक निगम

अम्बिकापुर महापौर मंजूषा भगत एवं सभापति हरमिंदर सिंह टिन्नी, सरगुजा संभागायुक्त नरेन्द्र दुग्गा, पुलिस महानिरीक्षक सरगुजा दीपक झा, कलेक्टर अजीत वसंत, वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक राजेश अग्रवाल, स्थानीय जनप्रतिनिधि, प्रशासन के अधिकारी-कर्मचारी सहित नागरिकगण उपस्थित थे।

उपमुख्यमंत्री अरुण साव ने जगदलपुर में राष्ट्रीय ध्वज फहराकर ली परेड की सलामी

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। उपमुख्यमंत्री अरुण साव ने 77वें गणतंत्र दिवस के अवसर पर जगदलपुर के लालबाग मैदान में आयोजित मुख्य समारोह में राष्ट्रीय ध्वज फहराकर परेड की सलामी ली और मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय का जनता के नाम संदेश वाचन किया। उन्होंने गणतंत्र दिवस की सभी को शुभकामनाएँ दीं। समारोह में जिला पुलिस बल, केंद्रीय अर्द्धसैनिक बल, नगर सेना, एनसीसी, स्काउट एवं गाइड सहित 14 टुकड़ियों द्वारा आकर्षक परेड व सलामी दी गई। इसके उपरांत हर्ष और उल्लास के प्रतीक रंगीन गुब्बारे आकाश में छोड़े गए। बस्तर जिले में गणतंत्र दिवस का आयोजन उत्साहपूर्वक और गरिमामय वातावरण में संपन्न हुआ। स्कूली विद्यार्थियों ने रंगारंग सांस्कृतिक कार्यक्रम प्रस्तुत किए तथा विभिन्न विभागों ने जनकल्याणकारी योजनाओं पर आधारित झांकियों का प्रदर्शन किया।

उपमुख्यमंत्री साव ने शहीद जवानों के परिजनों को शॉल एवं श्रीफल भेंटकर सम्मानित किया। समारोह में विभिन्न विभागों के उत्कृष्ट अधिकारी-कर्मचारियों को भी सम्मानित किया गया। साथ ही सांस्कृतिक कार्यक्रम, परेड एवं झांकी प्रतियोगिताओं में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वालों को पुरस्कार प्रदान किए गए।

कार्यक्रम में छत्तीसगढ़ बेवरेजेस कॉर्पोरेशन के अध्यक्ष श्रीनिवास मद्दी, महापौर संजय पांडेय, नगर निगम सभापति खेमसिंह देवांगन, जिला केंद्रीय सहकारी बैंक के अध्यक्ष दिनेश कश्यप, उपाध्यक्ष श्रीनिवास मिश्रा, कमिश्नर डोमन सिंह, पुलिस महानिरीक्षक सुन्दरराज पी., सीसीएफ आलोक तिवारी एवं स्टायलो मंडावी, सीआरपीएफ के वरिष्ठ अधिकारी, कलेक्टर आकाश छिकारा, पुलिस अधीक्षक शलभ सिन्हा, जिला न्यायालय के न्यायाधीशगण, जिला पंचायत के मुख्य कार्यपालन अधिकारी प्रतीक जैन सहित बड़ी संख्या में जनप्रतिनिधि, अधिकारी-कर्मचारी एवं नागरिक उपस्थित थे।

77वें गणतंत्र दिवस पर मोहला में सांसद संतोष पाण्डेय ने फहराया तिरंगा

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। 77वां गणतंत्र दिवस पर मोहला-मानपुर-अंबागढ़ चौकी जिले में मोहला के मिनी स्टेडियम में जिला स्तरीय समारोह में सांसद संतोष पाण्डेय ने राष्ट्रीय ध्वज फहराया। इस अवसर पर बटालियन, पुलिस बल, एनसीसी कैडेट्स व स्काउट गाईड्स की टुकड़ियों द्वारा राष्ट्रध्वज को सलामी दी गई। इस मौके पर सांसद लोकसभा राजनांदगांव संतोष पाण्डेय ने मुख्यमंत्री विष्णु देव साय के जनता के नाम संदेश का वाचन किया।

सांसद पाण्डेय ने सभी को 77वें गणतंत्र दिवस की शुभकामनाएं देते हुए कहा कि आज का दिन हम सभी के लिए अत्यंत गौरवशाली है। आज हम देश के गणतंत्र का उत्सव मना रहे हैं। इसके पीछे उन स्वतंत्रता संग्राम सेनानियों का बलिदान है, जिन्होंने भारत को स्वतंत्रता दिलाई, तथा उन संविधान निर्माताओं का अमूल्य योगदान है, जिन्होंने संविधान के माध्यम से भारत को दुनिया का सबसे बड़ा लोकतंत्र बनाया।

समारोह में आईटीबीपी जिला पुलिस बल, एनसीसी और स्काउट गाइड के छात्र-छात्राओं की टुकडियों द्वारा आकर्षक मार्च पास्ट किया गया। इस अवसर पर स्कूली बच्चों द्वारा सांस्कृतिक कार्यक्रमों की मनमोहक प्रस्तुतियां दी गई तथा विभिन्न विभागों द्वारा शासकीय योजनाओं का जीवंत प्रदर्शन करते हुए झांकियां निकाली गई। श्री पाण्डेय ने वीर शहीदों के परिजनों एवं उत्कृष्ट कार्य करने वाले अधिकारी-कर्मचारियों को प्रशस्ति पत्र प्रदान कर सम्मानित

किया। गणतंत्र दिवस समारोह में जिला पंचायत अध्यक्ष श्रीमती नम्रता सिंह, जिला पंचायत सदस्य नरसिंग भंडारी, सरपंच मोहला गजेंद्र पुरामें, कलेक्टर तुलिका प्रजापति, एसपी यशपाल सिंह, सीईओ जिला पंचायत भारती चन्द्राकर, डीएफओ दिनेश पटेल सहित स्थानीय जनप्रतिनिधि एवं अधिकारी-कर्मचारी उपस्थित रहे।

जशपुर में 77वां गणतंत्र दिवस समारोह हर्षोल्लास के साथ मनाया गया

स्वास्थ्य मंत्री जायसवाल ने फहराया राष्ट्रीय ध्वज

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। जशपुर जिले में 77वां गणतंत्र दिवस समारोह देशभक्ति और उत्साह के साथ मनाया गया। जिला मुख्यालय स्थित रणजीता स्टेडियम में आयोजित मुख्य समारोह में मुख्य अतिथि लोक स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण, चिकित्सा शिक्षा, पिछड़ा वर्ग एवं अल्पसंख्यक विकास तथा 20 सूत्रीय कार्यक्रम क्रियान्वयन मंत्री श्याम बिहारी जायसवाल ने राष्ट्रीय ध्वज फहराकर परेड की सलामी ली। स्वास्थ्य मंत्री जायसवाल ने इस अवसर पर मुख्यमंत्री का प्रदेशवासियों के नाम संदेश का भी वाचन किया।

कार्यक्रम में विधायक रायमुनी भगत, नगरपालिका अध्यक्ष अरविन्द भगत, जिला पंचायत उपाध्यक्ष शौर्य प्रताप सिंह जूदेव, जनपद पंचायत अध्यक्ष गंगाराम भगत, कलेक्टर रोहित व्यास, डीआईजी लाल उमेद सिंह, वनमण्डलाधिकारी शशि कुमार, जिला पंचायत सीईओ अभिषेक कुमार, अपर कलेक्टर प्रदीप कुमार साहू सहित विभिन्न विभागों के अधिकारी-कर्मचारी, स्कूली बच्चे एवं बड़ी संख्या में नागरिक उपस्थित रहे।

समारोह में स्वास्थ्य मंत्री जायसवाल ने 56 वीर शहीद जवानों के परिजनों से आत्मीय मुलाकात कर उनका हाल-चाल

जाना तथा उन्हें शॉल और श्रीफल भेंट कर सम्मानित किया। उन्होंने जिलेवासियों को गणतंत्र दिवस की हार्दिक शुभकामनाएं भी दीं और रंगीन गुब्बारे उड़ाकर खुशी का इजहार किया गया।

समारोह में उत्कृष्ट कार्य करने वाले 25 विभागों के लगभग 141 अधिकारियों-कर्मचारियों और खिलाड़ियों को प्रशस्ति पत्र प्रदान कर सम्मानित किया गया। इनमें जिला कार्यालय, राजस्व, जनसंपर्क, पुलिस, वन विभाग, पंचायत एवं ग्रामीण विकास, नगर सेना, मत्स्य, पीएचई, शिक्षा, स्वास्थ्य, उद्यानिकी, श्रम, योजना एवं सांख्यिकी, महिला एवं बाल विकास, जल संसाधन, पावर वितरण कंपनी एवं अन्य विभाग शामिल थे।

सांस्कृतिक कार्यक्रमों में बच्चों ने मन मोह लिया। जूनियर वर्ग में देव पब्लिक स्कूल जशपुर प्रथम, साउथ प्वाइंट इंग्लिश मीडियम स्कूल द्वितीय तथा जशपुरांचल इंग्लिश मीडियम स्कूल तृतीय स्थान पर रहे। इसी तरह सीनियर वर्ग में स्वामी आत्मानंद अंग्रेजी माध्यम विद्यालय प्रथम, संत जेवियर शांति भवन द्वितीय एवं शासकीय महारानी लक्ष्मीबाई कन्या उ.मा.वि. तृतीय स्थान पर रहे। इसी तरह परेड प्रतियोगिता में सीनियर वर्ग एन.सी.सी. में एन.ई.एस.महाविद्यालय प्रथम, नगर सेना महिला दल द्वितीय, छत्तीसगढ़ पुलिस बल पुरुष तृतीय तथा जूनियर वर्ग में कल्याण आश्रम प्रथम, सरस्वती शिशु मंदिर द्वितीय, संत जेवियर्स शांति भवन का बैण्ड दल तृतीय और झांकी प्रतियोगिता में महिला एवं बाल विकास विभाग प्रथम, स्वास्थ्य विभाग द्वितीय तथा आदिम जाति कल्याण एवं समाज कल्याण विभाग संयुक्त रूप से तृतीय स्थान पर रहे।

युवा शक्ति ही राष्ट्र की रीढ़ हैः दक्ष वैद्य साहू ने दिया देश भक्ति का संदेश

श्रीकंचनपथ न्यूज

भिलाई। गणतंत्र दिवस के पावन अवसर पर भव्य ध्वजारोहण समारोह का आयोजन किया गया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि भाजपा किसान मोर्चा सोशल मीडिया प्रदेश सहप्रभारी एवं हिन्द सेना युवा ब्रिगेड राष्ट्रीय अध्यक्ष दक्ष वैद्य साहू थे।समारोह का शुभारंभ दक्ष वैद्य साहू द्वारा तिरंगा ध्वजारोहण से हुआ, तत्पश्चात राष्ट्रगान गान के साथ सभी ने शहीदों को भावपूर्ण श्रद्धांजलि दी।देशभक्ति पूर्ण सांस्कृतिक प्रस्तुतियों ने वातावरण को उत्साह से भर दिया।

अपने प्रेरक संबोधन में दक्ष वैद्य साहू ने युवाओं की देश निर्माण में भूमिका पर जोर देते हुए कहा, युवा शक्ति ही राष्ट्र की रीढ़ है। हमें अपने कर्तव्यों को समझकर देश

की प्रगति में सक्रिय योगदान देना चाहिए। इस आयोजन ने समाज में एकता, देशभक्ति एवं सामाजिक जागरूकता की भावना को और मजबूत किया।

राष्ट्रीय अध्यक्ष हिन्द सेना युवा ब्रिगेड दक्ष वैद्य साहू द्वारा कार्यक्रम आयोजक विकास बघेल को पदोन्नति करते हुए हिन्द सेना छात्र ब्रिगेड रायपुर दक्षिण विधानसभा कार्यकारी अध्यक्ष पद पर नियुक्त किया गया।

कार्यक्रम में मुख्य रूप से युवा ब्रिगेड प्रदेश संगठन मंत्री स्वराज मुदलियार प्रदेश प्रवक्ता एवं कार्यकारी जिलाध्यक्ष शिवम शुक्ला,युवा ब्रिगेड महिला सेल विधानसभा कार्यकारी अध्यक्ष सानिया खोखर, वरिष्ठ उपाध्यक्ष अभय पाठक, महासचिव ऋषभ पांडे, मानस बंजारे, रवि भारती, ईशु बंजारे, जागेश्वर मारकंडे, छात्र ब्रिगेड कार्यकारी अध्यक्ष रोशन मिश्रा, उत्कर्ष शुक्ला, आदित्य देशलहरे, स्वतंत्र पटेल, हर्ष वर्मा, आशीष गायकवाड, श्रीनिवास राव, अमोल दिवाकर, अमिताभ बनर्जी, टिंकू सिंह, प्रेम सिंह, अमित टंडन, रमेश खूंटे, सुनिल साहू, नरेश निर्मलकर, आशीष झा, पंकज त्रिपाठी, सुमित झा, अमित देवांगन, सुरेश सेन, बसंत प्रधान, हिमांशु अग्रवाल, दीपक सिंह, संजय पासवान, योगेश्वर त्यागी, गुरप्रीत सिंग, सुनिल सिंह, मिलिंद धनी, बाबू जफर, सुरेश पाटले, वैभव त्रिवेदी, श्रीनु राव, महेंद्र तांडी, करन सोनवानी, मनोज तिवारी, विनोद भारती, पदुम घृतलहरे, दिपक कशयप, भूपेंद्र मानिकपुरी, रजनी भारती, भानुप्रताप घृतलहरे, अमित साहू, दिवाकर सेन, राजेश चौहान, आशीष निर्मलकर, राहुल वर्मा, नेमीचंद साहू, रवि सेन,कुशल साहू, पप्पू साहू नितिन पटेल, अभय टंडन, रमेश विश्वकर्मा, रवि साहू, गोपाल यादव, नितिन वर्मा, संतोष साहू, राहुल देव, प्रमोद मंडावी, दीपक बघेल, टिंकू ठाकुर, वीरेंद्र प्रसाद, देवेंद्र गजभिए, सोमेश महेश्वरी, देव पांडे, अविनाश वर्मा, परमानंद महेश्वरी, आशीष विश्वकर्मा, अनिल मंडारिया, दीपेश देशमुख, राजेश माने, चंद्रशेखर प्रसाद समेत हिन्द सेना के सैकड़ों पदाधिकारी, कार्यकर्ताओं एवं क्षेत्रवासी उपस्थित थे।

धमतरी में विधायक चंद्राकर ने राष्ट्रीय ध्वज फहराया

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। विधायक अजय चंद्राकर ने धमतरी जिला मुख्यालय के एकलव्य खेल मैदान में आयोजित जिला स्तरीय गणतंत्र दिवस समारोह में राष्ट्रीय ध्वज फहराया। धमतरी में हर्षोल्लास और गरिमामय ढंग गणतंत्र दिवस मनाया गया। विधायक चंद्राकर ने परेड निरीक्षण कर परेड की सलामी ली और मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय का जनता के नाम संदेश का वाचन किया।

इस अवसर पर विधायक चंद्राकर ने तीन रंग के गुब्बारे शांति स्वरूप आकाश में छोड़े। इस अवसर पर विधायक ओंकार साहू, अध्यक्ष जिला पंचायत अरुण सर्वा, महापौर रामू रोहरा,कलेक्टर अबिनाश मिश्रा, पुलिस अधीक्षक, सूरज सिंह परिहार एवं अधिकारी-

कर्मचारी, जनप्रतिनिधि तथा गणमान्य नागरिक उपस्थित थे।

विधायक अजय चंद्राकर ने स्वतंत्रता संग्राम सेनानियों और शहीदों के परिजनों से मुलाकात कर शॉल एवं श्रीफल देकर सम्मानित किया। इसके पश्चात विभिन्न स्कूल के विद्यार्थियों द्वारा रंगारंग सांस्कृतिक कार्यक्रम की प्रस्तुति दी गई। विभिन्न विभागों के शासकीय योजनाओं एवं गतिविधियों की झांकियों का प्रदर्शन भी किया गया। इसके साथ ही जिला के उत्कृष्ट कार्य करने वाले अधिकारी-कर्मचारी का सम्मान किया गया।

CAR DECOR
House Of Exclusive Seat Cover, Car Stereos Matting & Sun Control Film & Other Accessories
Shop No.3 Nafish Tower. Opp. Indian Coffee House, Akashganga, Bhilai
Mo.9300771925, 0788-4030919
K. Satyanarayan

ॐ SAIRAM
Mobile Accessories
मोबाईल शॉप में कार्य करने हेतु लड़को की आवश्यकता है
7000415602
Shop No. 78, Himalaya Complex, Supela, Bhilai

ROCKEY INDUSTRIES
FURNITURE PALACE
Deals in: (Steel & Wooden) Luxury & Imported Furniture
Akash Ganga, Supela, Bhilai Ph. 2296430

चौरसिया ज्वेलर्स
आकर्षक सोने चांदी के आभूषणों के निर्माता एवं विक्रेता
बेन्टेक्स एवं ग्रहरत्न उपलब्ध यहां
उचित ब्याज दर पर गिरवी रखी जाती है
मुक्तिधाम रोड, रामनगर, सुपेला, भिलाई
9827938211, 9827171332

Jaquar Roca Parryware AJAY FLOWLINE
Shri Vijay Enterprises
Sanitarywares, Tiles, CPVC Pipes & Bathroom Fittings etc.
Supela Market, Bhilai
PH. 0788-4030909, 2295573

खास खबर

अंबिकापुर में लग्जरी इनोवा में शराब तस्करी का खुलासा

अंबिकापुर। जिले में शराब तस्करी का एक नया मामला सामने आया है। आबकारी विभाग ने दरिमा नवानगर के ग्राम अडची में कार्रवाई करते हुए एक लग्जरी इनोवा कार से मध्य प्रदेश निर्मित 'GO' शराब जब्त की। कार में 'प्रेस' लिखा गया था, जिससे यह आम नजर में सरकारी काम वाली गाड़ी प्रतीत हो रही थी। आबकारी टीम ने मुखबिर की सूचना के आधार पर घेराबंदी कर कार को पकड़ा। तलाशी में 15 पेटी शराब मिली, जिसकी अनुमानित कीमत लगभग 1 लाख रुपए बताई जा रही है। इस मामले में आरोपी लड्डू सिंह को गिरफ्तार किया गया है। जानकारी मिली है कि लड्डू सिंह पहले सरकारी शराब दुकान में काम करता था, लेकिन हटाए जाने के बाद शराब तस्करी में शामिल हो गया। दूसरी तरफ उसका सहयोगी मौके से फरार होने में सफल रहा। आबकारी विभाग ने शराब के साथ लग्जरी इनोवा कार भी जब्त कर ली है और मामले की आगे जांच जारी है।

खड़े ट्रक से डीजल पार

रायपुर। अटारी रोड अमन कॉम्पलेक्स के पास खड़े ट्रक से अज्ञात चोरों ने 390 लीटर डीजल पार कर दिया। प्रार्थी की शिकायत पर आमानाका पुलिस ने अज्ञात चोर के खिलाफ अपराध दर्ज किया है। मिली जानकारी के अनुसार प्रार्थी जितेन्द्र पाल सिंह 30 वर्ष हीरापुर कबीरनगर का रहने वाला है। प्रार्थी ने थाना में शिकायत किया कि वह अपनी ट्रक को अटारी रोड अमन कॉम्पलेक्स के पास खड़ा किया था, तभी कार सवार अज्ञात चोरों ने ट्रक के डीजल टैंक का लॉक तोड़कर 390 लीटर डीजल पार कर दिया। चोरी गए डीजल की कीमत करीब 36414 रुपए के आसपास बताई जा रही है। मामले में आमानाका पुलिस ने अज्ञात चोर के खिलाफ अपराध दर्ज कर जांच में लिया है।

अंबिकापुर में हाईवा की भीषण टक्कर, बाइक सवार युवक की मौत

अंबिकापुर। सड़क पर रफ्तार का कहर थमने का नाम नहीं ले रहा है। मणिपुर थाना क्षेत्र के बिलासपुर चौक के पास एक दर्दनाक 'हिट एंड रन' की घटना सामने आई। एक तेज रफ्तार हाईवा ने पीछे से बाइक में सवार दो युवकों को टक्कर मार दी। घटना इतनी गंभीर थी कि बाइक सवार एक युवक हाईवा के पहिए के नीचे आ गया और मौके पर ही उसकी मौत हो गई। वहीं, दूसरी सवार युवक गंभीर रूप से घायल हो गया है। प्रत्यक्षदर्शियों ने बताया कि हादसे के बाद हाईवा चालक वाहन छोड़कर फरार हो गया। घटना के बाद आसपास के इलाके में हड़कंप मच गया और बड़ी संख्या में लोग मौके पर इकट्ठा हो गए। पुलिस ने मामले की जांच शुरू कर दी है।

अंधे कत्ल का खुलासा : जंगल में लगाया शव को ठिकाने, प्रेमी निकला कातिल, सामने आई यह वजह

श्रीकंचनपथ न्यूज

बालोद। छत्तीसगढ़ के बालोद जिले में दो दिन पहले मिली अज्ञात महिला की शव का मामला पुलिस ने चंद घंटों में ही सुलझा लिया। जिले के डौण्डीलोहारा थाना क्षेत्र के गुरामी जंगल में महिला की सड़ी गली लाश देखी गई। सूचना मिलने पर पुलिस मौके पर पहुंची और शुरुआती जांच में ही स्पष्ट हो गया कि महिला की हत्या कर शव का ठिकाने लगाया गया। पुलिस ने महज 24 घंटे के भीतर हत्या की गुत्थी सुलझाते हुए आरोपी को गिरफ्तार कर लिया है। पकड़े गए आरोपी ने शादी को लेकर हुए विवाद के बाद बेरहमी से हत्या करने की बात स्वीकार की है।

मिली जानकारी के अनुसार 24 जनवरी को डौंडीलोहारा थाना क्षेत्र के ग्राम गुरामी के जंगल में एक अज्ञात महिला का शव सड़ी-गली अवस्था में मिला। सूचना मिलते ही फोरेंसिक एक्सपर्ट, साइबर सेल और डॉग स्क्वॉड की टीम मौके पर पहुंची थी। प्रथम दृष्टया हत्या का मामला लगने पर पुलिस ने अज्ञात के खिलाफ अपराध दर्ज कर विवेचना शुरू की थी। जांच के लिए गठित विशेष टीम ने मृतका की शिनाख्त के प्रयास शुरू किए। पुलिस ने 'साइबर प्रहरी' ग्रुप में मृतका के फोटो साझा किए, जिसके जरिए उसकी पहचान कमला के रूप में हुई। परिजनों से संपर्क के बाद पुलिस को जांच के लिए अहम सुराग मिले।

जांच के दौरान साइबर सेल ने तकनीकी साक्ष्य और सीसीटीवी फुटेज खंगाले। शक के आधार पर नेमीचंद साहू को हिरासत में लेकर पूछताछ की गई। पहले तो वह मुकरता रहा, लेकिन सख्ती से पूछताछ करने पर उसने जुर्म कबूल कर लिया। नेमीचंद ने बताया कि कमला के साथ उसका लंबे समय से प्रेम संबंध चल रहा था।

दोनों अक्सर मिलते थे। नेमीचंद को शक था कि कमला किसी और से बात करती है। वह उससे शादी करना चाहता था, लेकिन कमला इसके लिए तैयार नहीं थी। इसी बात को लेकर दोनों के बीच अक्सर विवाद होता था। 16 जनवरी को आरोपी कमला को बाइक से घुमाने के बहाने गुरामी डैम के पास जंगल ले गया। वहां शराब पीने के बाद उसने शादी का दबाव बनाया। कमला के इनकार करने पर विवाद बढ़ गया और गुस्से में आकर आरोपी ने उसका गला दबा दिया। बेहोशी की हालत में आरोपी ने कमला को करीब 50 मीटर तक घसीटा और फिर पत्थर से सिर कुचलकर उसकी हत्या कर दी। इसके बाद शव को आसपास पड़े पत्थरों से ढक दिया और मौके से फरार हो गया।

बालोद एसपी योगेश पटेल ने बताया कि पुलिस ने तत्परता दिखाते हुए 24 घंटे के भीतर आरोपी को दबोच लिया है। हत्या के बाद नेमीचंद कमला का मोबाइल फोन लेकर घर लौट आया। पुलिस को गुमराह करने के लिए 17 जनवरी को उसने मोबाइल को बालोद के पाररास इलाके में ऑन किया। इसके बाद मोबाइल को दुर्ग में तोड़ दिया, ताकि पुलिस को शक न हो। हालांकि, कॉल डिटेल, लोकेशन, सीसीटीवी फुटेज और तकनीकी साक्ष्यों के आधार पर पुलिस ने आरोपी तक पहुंची। तकनीकी साक्ष्यों और स्थानीय इनपुट के आधार पर आरोपी ने अपना गुनाह कबूल किया है। अपराध के खिलाफ बालोद पुलिस की जीरो टॉलरेंस नीति जारी रहेगी।

छट्ठी कार्यक्रम के दौरान विवाद : झगड़ा शांत कराने पर सहायक शिक्षक की पिटाई

श्रीकंचनपथ न्यूज

दुर्ग-भिलाई। दुर्ग जिले में आपसी विवाद में उलझे युवकों को समझाना एक टीचर को भारी पड़ गया। छट्ठी कार्यक्रम के दौरान कुछ युवक आपस में विवाद कर रहे थे, जिन्हें टीचर संजय सिंह ने समझाकर शांत कराया।

झगड़ा शांत कराने पर उन्हीं युवकों ने शिक्षक के साथ गाली-गलौज करते हुए जमकर मारपीट कर दी। घटना में पीड़ित टीचर को आंख, दांत, कंधे, कान और कमर में चोटें आई हैं। मामला सुपेला थाना क्षेत्र का है। पीड़ित की शिकायत पर पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

जानकारी के अनुसार, जलेबी चौक कैंप-01 भिलाई निवासी संजय सिंह कुशवाहा (35) तितुरडीह स्कूल में सहायक शिक्षक के पद पर कार्यरत हैं। वे 25 जनवरी को अपने मित्र पिंटू और अन्य लोगों के साथ ग्राम एम जामगांव में आयोजित छट्ठी कार्यक्रम में शामिल होने गए थे। कार्यक्रम के दौरान कुछ युवक आपस में विवाद कर रहे थे, जिन्हें संजय सिंह ने समझाकर शांत कराया।

वापस लौटने के बाद विवाद

रात करीब 11 बजे कार्यक्रम से लौटने के बाद संजय सिंह अपने मित्रों के साथ सुपेला भिलाई स्थित लोहिया पेट्रोल पंप के पीछे संजय नगर मैदान में खड़े थे। इसी दौरान रोहित साहू उर्फ पदुम, अजय जोशी और शेखर निर्मलकर वहां पहुंचे और छट्ठी कार्यक्रम के दौरान अधिक बोलने का आरोप लगाते हुए गाली-गलौज शुरू कर दी। शिक्षक द्वारा विरोध करने पर तीनों ने एकराय होकर मारपीट शुरू कर दी।

मारपीट से लगी गंभीर चोट

पीड़ित ने बताया कि आरोपियों ने हाथ-मुक्कों और लातों से हमला करते हुए जान से मारने की धमकी भी दी। मारपीट में शिक्षक के दाहिनी आंख के पास, दांत, कंधे, कान, मुंह और कमर में गंभीर चोटें आई हैं। घटना के दौरान पिंटू लहरी, गोविंद सोनवानी और वीरेंद्र बंभोले ने बीच-बचाव कर किसी तरह मामला शांत कराया। पीड़ित शिक्षक की शिकायत पर पुलिस ने आरोपियों के खिलाफ मामला दर्ज कर लिया है। पुलिस का कहना है कि मामले की जांच की जा रही है और आरोपियों के खिलाफ नियमानुसार कार्रवाई की जाएगी।

कोरबा में नगरसेना जवान ने की आत्महत्या की कोशिश

अधिकारियों पर प्रताड़ना का लगाया आरोप

श्रीकंचनपथ न्यूज

कोरबा। कोरबा जिले में नगर सेना (होमगार्ड) के एक जवान ने अधिकारियों पर प्रताड़ना का आरोप लगाते हुए आत्महत्या का प्रयास किया है। जवान ने कलेक्टर परिसर में जहरीले पदार्थ का सेवन कर लिया, जिसके बाद उसे गंभीर हालत में अस्पताल में भर्ती कराया गया। मौके से एक सुसाइड नोट भी बरामद हुआ है।

मामला सिविल लाइन थाना क्षेत्र का है। पीड़ित जवान का नाम संतोष पटेल बताया जा रहा है। उसने बर्खास्तगी से आहत होकर यह कदम उठाया। घटना की सूचना मिलते ही पुलिस और प्रशासन के वरिष्ठ अधिकारी मौके पर पहुंचे और मामले की जांच शुरू कर दी।

संतोष पटेल को तत्काल मेडिकल कॉलेज अस्पताल कोरबा में भर्ती कराया गया, जहां उसका इलाज जारी है। डॉक्टरों के अनुसार, विफलहाल उसकी हालत खतरे से बाहर है। डॉ. शशिकांत भास्कर ने बताया कि मरीज को अस्पताल लाते ही पहले सफाई की गई और फिर उपचार शुरू किया गया। घटना के बाद मेडिकल कॉलेज अस्पताल परिसर में बड़ी संख्या में नगर सैनिक एकत्र हो गए, जिससे माहौल तनावपूर्ण हो गया। पीड़ित जवान के पास से बरामद सुसाइड नोट में संतोष पटेल ने डिविजनल कमांडेंट और कोरबा कमांडेंट पर मानसिक प्रताड़ना का गंभीर आरोप लगाया है।

सुसाइड नोट में संतोष पटेल ने लिखा है कि वह जिला सेनानी अनुज एक्का और संभागीय कमांडेंट की प्रताड़ना से तंग आकर यह कदम उठा रहा है। उसने यह भी बताया कि अपनी समस्या को पहले भी जिला प्रशासन के समक्ष रखा जा चुका था और बैठकें भी हुई थीं, लेकिन कोई समाधान नहीं निकला।

जवान ने आरोप लगाया कि 17 अक्टूबर 2025 तक उसे अकेले में बुलाकर कई बार मानसिक रूप से दबाव बनाया गया और बर्खास्त करने की धमकी भी दी गई। फिलहाल, इस मामले में पुलिस जांच पड़ताल में जुट गई है।

पेड़ में फांसी लगाकर युवक ने की खुदकुशी

श्रीकंचनपथ न्यूज

कोरबा। जिले के उरगा थाना क्षेत्र अंतर्गत ग्राम तरदा में एक युवक द्वारा फांसी लगाए जाने का मामला सामने आया है। घटना से क्षेत्र में सनसनी फैल गई है। प्राप्त जानकारी के अनुसार ग्राम तरदा निवासी गेंद राम पटेल, पिता स्वर्गीय सुखलाल पटेल, उम्र लगभग 45 वर्ष, शुक्रवार तड़के सुबह करीब 4 बजे घर से निकले थे। इसके बाद सुबह लगभग 6 बजे ग्रामीणों ने उन्हें गांव के पास एक पेड़ पर रस्सी के सहारे फांसी पर लटके हुए देखा।

घटना की जानकारी मिलते ही स्थानीय लोगों द्वारा तत्काल उरगा थाना पुलिस को सूचना दी गई। सूचना पर पुलिस टीम मौके पर पहुंची और शव को फांसी से नीचे उतरवाकर पंचनामा कार्रवाई पूरी की। इसके पश्चात शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया गया है।

पुलिस के अनुसार प्रथम दृष्टया मामला आत्महत्या का प्रतीत हो रहा है, हालांकि मृतक द्वारा यह कदम किन कारणों से उठाया गया, इसका फिलहाल खुलासा नहीं हो सका है। परिजनों एवं ग्रामीणों से पूछताछ की जा रही है तथा पुलिस सभी पहलुओं को ध्यान में रखते हुए मामले की जांच कर रही है।

पुलिस का कहना है कि पोस्टमार्टम रिपोर्ट आने के बाद ही मौत के वास्तविक कारणों की पुष्टि हो सकेगी। फिलहाल उरगा थाना पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है और आवश्यक कानूनी कार्रवाई की जा रही है।

बीजापुर में आईईडी ब्लास्ट, करेंगुट्टा पहाड़ी पर 11 जवान घायल

श्रीकंचनपथ न्यूज

बीजापुर। छत्तीसगढ़ के बीजापुर जिले में करेंगुट्टा पहाड़ियों पर एक साथ कई आईईडी ब्लास्ट हुए। ब्लास्ट की चपेट में आने से डिस्ट्रिक्ट रिजर्व गार्ड (डीआरजी) के 11 जवान घायल हो गए हैं। सभी को बेहतर इलाज के लिए रायपुर ले जाया गया। सभी की हालत स्थिर है।

बताया जा रहा है कि ये धमाके रविवार (25 जनवरी) को उस समय हुए जब सुरक्षाकर्मियों की एक जॉइंट टीम

करेंगुट्टा हिल्स इलाके में नक्सल विरोधी ऑपरेशन पर निकली थी। घटना तेलंगाना की सीमा से लगे उसूर थाना क्षेत्र स्थित करेंगुट्टा पहाड़ियों पर हुई। जहां सिलसिलेवार विस्फोट हुए। जिसमें 11 सुरक्षाकर्मी घायल हो गए। यह घटना नक्सलियों की एक नापाक कोशिश थी। घटना के तुरंत बाद, घायल हुए सभी जवानों को बेहतर चिकित्सा उपचार के लिए रायपुर ले जाया गया। पुलिस विभाग ने इस घटना की पुष्टि करते हुए बताया कि सभी घायलों की स्थिति फिलहाल स्थिर बनी हुई है।

बैंक में खाता खुलवाकर किराए से दिया : उसी खाते में साइबर ठगों ने 8.12 लाख मंगवाए

श्रीकंचनपथ न्यूज

दुर्ग-भिलाई। सुपेला थाना क्षेत्र में साइबर अपराध से जुड़ा एक बड़ा मामला सामने आया है। गृह मंत्रालय द्वारा संचालित समन्वय पोर्टल से प्राप्त cknowledgment नंबर के माध्यम से म्यूल अकाउंट की जानकारी मिलने पर पुलिस ने कार्रवाई करते हुए एक आरोपी के खिलाफ मामला दर्ज किया है।

पुलिस के अनुसार जेना स्माल फाइनेंस बैंक, सुपेला शाखा में खाता धारक गोपी राम देवांगन पिता भुनेश्वर राम देवांगन उम्र 30 वर्ष, निवासी सोनिया गांधी नगर जोन-01 सेक्टर-11 भिलाई खुर्सीपार जिला दुर्ग (छत्तीसगढ़) द्वारा यह खाता खुलवाया गया था।

जांच में सामने आया कि आरोपी ने यह जानते हुए कि उक्त खाता साइबर ऑनलाइन ठगी की राशि प्राप्त करने के लिए उपयोग किया जाएगा, जानबूझकर अपने बैंक खाते को म्यूल अकाउंट के रूप में

इस्तेमाल होने दिया।

ठगी की राशि मंगवाने दे दिया खुद का एकाउंट

पुलिस जांच में यह भी पाया गया कि दिनांक 26 दिसंबर 2024 को आरोपी के खाते में ऑनलाइन ठगी के माध्यम से अवैध रूप से 8 लाख 12 हजार 253 रुपये की राशि जमा की गई। यह रकम विभिन्न साइबर ठगी मामलों से प्राप्त होना पाई गई, जिससे आरोपी ने छलपूर्वक व बेईमानी से अवैध धनलाभ अर्जित करने का प्रयास किया।

पुलिस जांच में जुटी

सुपेला थाना पुलिस ने मामले की गंभीरता को देखते हुए आरोपी गोपी राम देवांगन के विरुद्ध भारतीय न्याय संहिता (BNS) की धारा 317(2) एवं 318(4) के तहत अपराध पंजीबद्ध कर विवेचना में लिया है।

पुलिस द्वारा बैंक लेन-देन, डिजिटल साक्ष्य एवं अन्य संबंधित लिंक की जांच की जा रही है, ताकि साइबर ठगी से जुड़े अन्य आरोपियों तक भी पहुंचा जा सके।

गांजा तस्करी करते पकड़ाई यूपी की महिला, ओडिशा से लेकर आई थी गांजा

जगदलपुर। बस्तर जिले में मादक पदार्थों की तस्करी के खिलाफ पुलिस की कार्रवाई लगातार जारी है। नगरनार पुलिस ने ओडिशा से रायपुर ले जाए जा रहे गांजा की तस्करी का खुलासा करते हुए एक महिला को गिरफ्तार किया है। आरोपी महिला के कब्जे से 4.667 किलोग्राम गांजा मिला है, जिसकी अनुमानित कीमत करीब 2 लाख 44 हजार रुपए बताई जा रही है।

जानकारी के अनुसार, 26 जनवरी को मुखबिर से सूचना मिली थी कि ग्राम धनपुंजी मंडी नाका, एनएच-63 के पास एक महिला अपने पास गांजा रखकर रायपुर जाने वाली बस का इंतजार कर रही है। सूचना के आधार पर पुलिस टीम मौके पर पहुंची, जहां बताए गए हुलिए की महिला सड़क किनारे नीले रंग का बैग लिए खड़ी मिली।

पुलिस ने घेराबंदी कर आरोपी को पकड़ा

पुलिस टीम को देखकर महिला घबरा गई और भागने का प्रयास किया, जिसे महिला स्टाफ की मदद से घेराबंदी कर पकड़ लिया गया। पूछताछ में महिला ने अपना नाम सुमन पाल (40) बताया। ये उत्तरप्रदेश कानपुर के संजय गांधी नगर की रहने वाली है। तलाशी के दौरान महिला के बैग से दो पैकेट में भरा कुल 4.667 किलोग्राम गांजा बरामद किया गया। इसके अलावा दो मोबाइल फोन और 1 हजार रुपए नगद भी जब्त किया गया। जब्त सामान की कुल कीमत करीब 2 लाख 44 हजार 350 रुपए है। पुलिस ने आरोपी को गिरफ्तार कर न्यायिक रिमांड पर भेजा है।

12वीं के छात्र ने की आत्महत्या, स्कूल के प्राचार्य व शिक्षक पर प्रताड़ना का आरोप

श्रीकंचनपथ न्यूज

जांजगीर चांपा। छत्तीसगढ़ के जांजगीर चांपा जिले में 12वीं कक्षा के छात्र ने फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली। जिले के आरसमेटा गांव निवासी 12वीं कक्षा के 18 वर्षीय छात्र कमलेश जायसवाल ने अपने घर में फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली। छात्र ने एक सुसाइड नोट छोड़ा है जिसमें उसने न्यूवोको पब्लिक स्कूल के प्राचार्य और एक शिक्षक पर गंभीर मानसिक प्रताड़ना के आरोप लगाए गए हैं। इस घटना से नाराज परिजनों ने गांव वालों के साथ चक्काजाम कर दिया।

मिली जानकारी के अनुसार कमलेश जायसवाल रविवार रात अपने कमरे में सोने गया था। सोमवार सुबह जब वह नहीं उठा तो परिजनों ने दरवाजा तोड़कर देखा। कमलेश फंदे पर लटका मिला, जिससे परिजनों में कोहराम मच गया। सुसाइड नोट में छात्र ने लिखा है कि वह लगभग एक वर्ष से डिप्रेशन में था। उसने आरोप लगाया कि कक्षा 10वीं में स्कूल प्राचार्य सुमंतो विश्वास और शिक्षक अनुपम पाल ने उसकी बातों को नहीं सुना और उसे बार-बार दोषी ठहराया। छात्र ने यह भी बताया कि कुछ घटनाओं के बाद उसके साथ मारपीट भी हुई। शिकायत के बावजूद उसे न्याय नहीं मिला। नोट में उसने लिखा, जीते जी मुझे न्याय नहीं मिला, शायद मरने के बाद मिलेगा और संबंधित लोगों के खिलाफ कार्रवाई की मांग की।

घटना से आक्रोशित परिजनों और ग्रामीणों ने सोमवार सुबह 11 बजे से शव को सड़क पर रखकर चक्का जाम कर दिया। प्रदर्शनकारियों ने दोषी शिक्षकों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई की मांग की। मुलमुला पुलिस थाना क्षेत्र में हुई इस घटना की सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और लोगों को समझाने का प्रयास किया। प्रशासनिक आश्वासन के बाद शाम करीब 4 बजे चक्का जाम समाप्त किया गया और शव को पोस्टमार्टम के लिए भेजा गया। मामले की गंभीरता को देखते हुए न्यूवोको पब्लिक स्कूल के प्राचार्य सुमंतो विश्वास और शिक्षक अनुपम पाल को उनके पद से हटा दिया गया है। पुलिस सुसाइड नोट सहित सभी पहलुओं की गहन जांच कर रही है और जांच के आधार पर आगे वैधानिक कार्रवाई की जाएगी।

सूने मकान से बाइक व हजारों रुपए का सामान पार

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। अक्षय विहार कालोनी बोरियाखुर्द स्थित सूने मकान का ताला तोड़कर अज्ञात चोर ने बाइक सहित घरेलू सामान पार कर दिया। प्रार्थी की शिकायत पर टिकरापारा पुलिस ने अज्ञात चोर के खिलाफ अपराध दर्ज किया है।

मिली जानकारी के अनुसार प्रार्थी तुसार चंद्रवंशी 24 वर्ष अक्षय विहार कालोनी बोरियाखुर्द का रहने वाला है। प्रार्थी ने थाना में शिकायत किया कि अज्ञात चोर ने उसके सूने मकान का ताला तोड़कर घर में रखे बाइक और घरेलू सामान पार कर दिया। चोरी गए जुमला कीमती करीब 25 हजार रुपए के आसपास बताई जा रही है। मामले में टिकरापारा पुलिस ने अज्ञात चोर के खिलाफ अपराध दर्ज किया है।

संविधान, लोकतंत्र और सुशासन के रास्ते विकसित छत्तीसगढ़ का निर्माण सरकार का संकल्प : साय

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। लोकतंत्र की मजबूती, संविधान की सर्वोच्चता और विकसित छत्तीसगढ़ के संकल्प के साथ 77वां गणतंत्र दिवस पूरे प्रदेश में हर्षोल्लास, देशभक्ति और गौरवपूर्ण वातावरण में मनाया गया। मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने बिलासपुर के पुलिस परेड ग्राउंड में आयोजित गणतंत्र दिवस के मुख्य समारोह में राष्ट्रीय ध्वज फहराया और संयुक्त परेड की सलामी ली। उन्होंने शहीद सैनिकों एवं पुलिस जवानों के परिजनों को सम्मानित किया तथा छत्तीसगढ़ पुलिस बल को राज्य स्थापना की 25वीं वर्षगांठ का पदक देने की घोषणा की। मुख्यमंत्री साय ने इस मौके पर प्रदेशवासियों को गणतंत्र दिवस की शुभकामनाएं देते हुए कहा कि भारत का संविधान हमारी लोकतांत्रिक आस्था, समानता और सामाजिक न्याय का मजबूत आधार है। छत्तीसगढ़ महतारी की सेवा, विकास और समृद्धि के लिए राज्य सरकार पूर्ण निष्ठा के साथ कार्य कर रही है। मुख्यमंत्री साय ने अपने गणतंत्र दिवस संदेश में राज्य की उपलब्धियों, जनकल्याणकारी योजनाओं, नक्सल उन्मूलन की दिशा में हुई प्रगति, किसानों-श्रमिकों-महिलाओं के सशक्तीकरण, शिक्षा-स्वास्थ्य-औद्योगिक विकास और सुशासन की विस्तार से जानकारी दी।

मुख्यमंत्री ने कहा कि गणतंत्र दिवस केवल उत्सव का दिन नहीं, बल्कि राष्ट्र के लिए बलिदान देने वाले महापुरुषों और स्वतंत्रता संग्राम सेनानियों को स्मरण करने का दिन भी है। उन्होंने संविधान निर्माताओं, विशेषकर बाबा साहेब डॉ. भीमराव अंबेडकर को नमन करते हुए कहा कि संविधान सामाजिक समरसता, समान अधिकार और अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता का प्रतीक है। उन्होंने बाबा गुरु घासीदास जी के मनखे-मनखे एक समान के संदेश को संविधान की आत्मा बताया और कहा कि भारतीय गणतंत्र ने ऐसा खुला समाज निर्मित किया है, जहां हर नागरिक राष्ट्र निर्माण में सहभागी बन सकता है।

मुख्यमंत्री साय ने कहा कि छत्तीसगढ़ ने हाल ही में राज्य स्थापना की रजत जयंती मनाई है। पूर्व प्रधानमंत्री भारत रत्न श्रद्धेय अटल बिहारी वाजपेयी जी द्वारा गठित इस राज्य ने 25 वर्षों में विकास की सशक्त यात्रा तय की है। उन्होंने बताया कि संविधान के मंदिर- छत्तीसगढ़ विधानसभा के नवनिर्मित भवन का लोकार्पण प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के करकमलों से संपन्न हुआ। धान की बालियों की डिजाइन और बस्तर-सरगुजा की लोककला से सुसज्जित यह भवन छत्तीसगढ़ी अस्मिता का प्रतीक है। मुख्यमंत्री ने कहा कि इस वर्ष राष्ट्रगीत वंदे मातरम् की 150वीं जयंती राज्यभर में श्रद्धा और सम्मान के साथ मनाई गई। सुकमा जिले के कोंटा से लेकर मनेंद्रगढ़-चिरमिरी-भरतपुर के सीतामढ़ी हरचौका तक लोगों ने सामूहिक रूप से वंदे मातरम् का गायन किया। यह बंकिम चंद्र चट्टोपाध्याय को सच्ची श्रद्धांजलि है। मुख्यमंत्री ने धरती आबा भगवान बिरसा मुंडा की 150वीं जयंती और जनजातीय गौरव दिवस के आयोजन का उल्लेख करते हुए कहा कि जनजातीय समाज ने स्वतंत्रता संग्राम में ऐतिहासिक योगदान दिया। उन्होंने बताया कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा लोकार्पित शहीद वीर नारायण सिंह जनजातीय स्वतंत्रता संग्राम सेनानी डिजिटल संग्रहालय देश का पहला डिजिटल संग्रहालय है, जो आज की पीढ़ी को जनजातीय नायकों के बलिदान से परिचित कराता है।

मुख्यमंत्री साय ने कहा कि माओवादी हिंसा लोकतंत्र के लिए गंभीर चुनौती रही है, लेकिन प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी जी के नेतृत्व और केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह जी के मार्गदर्शन में छत्तीसगढ़ ने निर्णायक रणनीति अपनाई है। उन्होंने बताया कि जवानों के अदम्य साहस और सतत अभियानों के परिणामस्वरूप माओवादी हिंसा अब अंतिम चरण में है और मार्च 2026 तक प्रदेश को नक्सलमुक्त करने का लक्ष्य पूर्ण होने जा रहा है। मुख्यमंत्री ने आत्मसमर्पित नक्सलियों के पुनर्वास, बस्तर कैफे जैसी पहलों और नियद नेल्ला नार योजना के माध्यम से प्रभावित क्षेत्रों में विकास कार्यों की जानकारी दी। मुख्यमंत्री ने कहा कि राज्य बनने के बाद सबसे बड़ी चुनौती अन्नदाता की समृद्धि रही है। आज छत्तीसगढ़ के किसान को धान का देश में सर्वाधिक मूल्य मिल रहा है। उन्होंने बताया कि धान खरीदी 5 लाख मीट्रिक टन से बढ़कर 149 लाख मीट्रिक टन तक पहुंच चुकी है। बीते दो वर्षों में किसानों के खातों में डेढ़ लाख करोड़ रुपए अंतरित किए गए हैं। अटल सिंचाई योजना के तहत 115 लंबित सिंचाई परियोजनाओं को पूर्ण किया जा रहा है।

मुख्यमंत्री ने बताया कि प्रधानमंत्री आवास योजना के तहत प्रदेश में 26 लाख से अधिक आवास स्वीकृत किए गए हैं और प्रतिदिन लगभग 2 हजार आवासों का निर्माण हो रहा है, जो देश में सर्वाधिक है। उन्होंने कहा कि राज्य विद्युत उत्पादन में देश में दूसरे स्थान पर है और शीघ्र ही प्रथम स्थान की ओर अग्रसर है। सौर ऊर्जा, गैस आधारित परियोजनाओं और शून्य कार्बन उत्सर्जन लक्ष्य पर तेजी से काम हो रहा है।

मुख्यमंत्री ने महतारी वंदन योजना के तहत 70 लाख महिलाओं को प्रतिमाह 1,000 रुपए की सम्मान राशि प्रदान किए जाने की जानकारी दी। अब तक 14,948 करोड़ रुपए की राशि वितरित की जा चुकी है। उन्होंने श्रमिकों के लिए ईएसआई, श्रम संहिताओं और सामाजिक सुरक्षा योजनाओं के प्रभावी क्रियान्वयन की बात कही। मुख्यमंत्री ने बताया कि युक्तियुक्तकरण से शिक्षकों की कमी दूर की गई है। राष्ट्रीय शिक्षा नीति के तहत स्थानीय भाषाओं में शिक्षा, 9 हजार स्मार्ट क्लास और 22 हजार कंप्यूटर की व्यवस्था की जा रही है। स्वास्थ्य शिक्षा के क्षेत्र में नए मेडिकल कालेजों की स्वीकृति से अब इनकी संख्या बढ़कर 15 हो गई है। बिलासपुर में मल्टी सुपर स्पेशलिटी हॉस्पिटल और हिंदी में एमबीबीएस की पढ़ाई शुरू की गई है। मुख्यमंत्री ने कहा कि नई औद्योगिक नीति के तहत अब तक 7.83 लाख करोड़ रुपए के निवेश प्रस्ताव प्राप्त हुए हैं। नवा रायपुर को आईटी, एआई, फार्मा और मेडिकल हब के रूप में विकसित किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि भविष्य एआई का है और छत्तीसगढ़ इसकी धुरी बनेगा। मुख्यमंत्री ने रामलला दर्शन योजना, मुख्यमंत्री तीर्थ दर्शन योजना, बस्तर पंडुम, चित्रकोट जलप्रपात, मैनपाट, सरगुजा और जशपुर पर्यटन के विकास का उल्लेख किया। उन्होंने ई-ऑफिस, जेम पोर्टल, बायोमेट्रिक अटेंडेंस और डिजिटल गवर्नेंस के माध्यम से सुशासन की मजबूती पर बल दिया। समारोह में स्कूली बच्चों द्वारा राष्ट्रभक्ति से ओतप्रोत सांस्कृतिक कार्यक्रम प्रस्तुत किए गए। विभिन्न शासकीय विभागों द्वारा योजनाओं पर आधारित आकर्षक झांकियां निकाली गईं, जिन्होंने प्रदेश की विकास यात्रा को जीवंत रूप में प्रदर्शित किया। मुख्यमंत्री ने स्व. लक्ष्मण मस्तूरिया जी की कविता की पंक्तियों के माध्यम से जनभागीदारी का आह्वान करते हुए कहा कि विकसित छत्तीसगढ़ के निर्माण में सभी की सहभागिता आवश्यक है। उन्होंने अंत में प्रदेशवासियों को गणतंत्र दिवस की बधाई और शुभकामनाएं दी।

राजधानी रायपुर में हर्षोल्लास के साथ मनाया गया 77वां गणतंत्र दिवस

800 से अधिक स्कूली बच्चों की सांस्कृतिक प्रस्तुतियां रही आकर्षण का केंद्र

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। देश के 77वें गणतंत्र दिवस के पावन अवसर पर राजधानी रायपुर के पुलिस परेड ग्राउंड में भव्य समारोह का आयोजन किया गया। राज्यपाल रमेन डेका ने राष्ट्रीय ध्वज फहराकर संयुक्त परेड की सलामी ली और गणतंत्र दिवस की हार्दिक शुभकामनाएं दीं।

राज्यपाल श्री डेका ने कहा कि गणतंत्र दिवस हमें संविधान के मूल्यों के प्रति निष्ठा रखते हुए राष्ट्र की एकता, अखंडता और संप्रभुता को सुदृढ़ करने की प्रेरणा देता है। उन्होंने नागरिकों से अपने कर्तव्यों के निर्वहन के साथ लोकतंत्र को मजबूत करने का आह्वान किया। समारोह का प्रमुख आकर्षण स्कूली बच्चों द्वारा प्रस्तुत देशभक्ति से ओत-प्रोत सांस्कृतिक कार्यक्रम रहे, जिन्होंने विकसित भारत की परिकल्पना को सजीव मंचन के माध्यम से प्रस्तुत किया। प्रथम प्रस्तुति में कस्तुरबा गांधी आवासीय बालिका विद्यालय, सरगुजा के 206 छात्राओं ने विकसित भारत, बढ़ता भारत थीम पर मनमोहक प्रस्तुति दी। कार्यक्रम में बस्तर और सरगुजा की माटी की खुश्बू, विशेष पिछड़ी जनजातियों की पारंपरिक वेशभूषा में करमा और दमकच नृत्य, नारी शक्ति, सशक्त किसान और मजबूत जवान के संदेश को प्रभावशाली ढंग से प्रस्तुत किया गया। समापन पर कलाकारों ने तिरंगे के रंगों के साथ जय जोहार, जय छत्तीसगढ़ का उद्घोष किया।

द्वितीय प्रस्तुति शिवोम विद्यापीठ, सांकरा, दुर्ग के 310 विद्यार्थियों ने जयतु जयतु भारत के माध्यम से भारत की प्राचीन संस्कृति, युवा ऊर्जा और राष्ट्र की एकता-अखंडता का जीवंत चित्रण किया। प्रत्येक नृत्य की भाव भंगिमा में विकसित भारत के सपने की झलक दिखाई दी। तृतीय प्रस्तुति पी.जी. उमाठे शासकीय कन्या अंग्रेजी माध्यम उत्कृष्ट विद्यालय, शांति नगर, रायपुर की 300 छात्राओं ने आरंभ है प्रचंड नृत्य-नाट्य के माध्यम से आज़ादी के सौ वर्षों में भारत के सामाजिक, आर्थिक, तकनीकी और सांस्कृतिक उत्कर्ष को प्रभावशाली रूप में प्रस्तुत किया। शानदार प्रस्तुतियों के लिए प्रथम पुरस्कार कस्तुरबा गांधी आवासीय बालिका विद्यालय सरगुजा को, द्वितीय पुरस्कार पी.जी. उमाठे शासकीय कन्या अंग्रेजी माध्यम उत्कृष्ट विद्यालय शांति नगर, रायपुर को तथा तृतीय पुरस्कार शिवोम विद्यापीठ, सांकरा, दुर्ग को प्राप्त हुआ।

राज्यपाल रमेन डेका ने विजेता दलों को सम्मानित करते हुए विद्यार्थियों की प्रतिभा की सराहना की और कहा कि यही युवा शक्ति विकसित भारत की नींव है। समारोह राष्ट्रभक्ति, सांस्कृतिक विविधता और उज्ज्वल भविष्य के संकल्प के साथ गौरवपूर्ण वातावरण में संपन्न हुआ।

वन्देमातरम गीत आजादी का शस्त्र : मुख्यमंत्री साय

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। राष्ट्रीय गीत वंदे मातरम के 150 वीं वर्षगांठ के अवसर पर बिलासपुर में आयोजित कार्यक्रम में मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने शिरकत की। इस अवसर पर रिवर व्यू में रेलवे सुरक्षा बल के बैंड ग्रुप की प्रस्तुति ने सबका मन मोह लिया।

टी आर यादव की अगुवाई में बैंड ग्रुप ने देश भक्ति गीतों की धुन पर इंस्ट्रूमेंट के ज़रिए अपनी शानदार प्रस्तुति दी। कार्यक्रम की शुरूआत वंदे मातरम् गीत से की गई। देशभक्ति गीतों से सराबोर इस सांस्कृतिक संध्या में स्थानीय नागरिकों ने उत्साह से भागीदारी की। मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने इस अवसर पर अपने उद्बोधन में कहा कि वन्देमातरम गीत आजादी शस्त्र है, वन्देमातरम गीत गाकर हमारे वीर सेनानियों ने हंसते हंसते देश के लिए अपना बलिदान दिया है। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के इस आह्वान से नई पीढ़ी में चेतना का संचार हो रहा है। श्री साय ने पुलिस विभाग द्वारा चलाए जा रहे चेतना अभियान की सराहना की। इस अवसर पर पुलिस विभाग द्वारा सामाजिक जागरूकता के लिए बनाई गई शॉर्ट फिल्म का प्रदर्शन किया गया। वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक रजनेश सिंह ने चेतना थीम पर आधारित अभियान की संक्षिप्त जानकारी दी।

कार्यक्रम में विधायक सर्व अमर अग्रवाल, धर्मजीत सिंह, धर्मलाल कौशिक, सुशांत शुक्ला, महापौर पूजा विधानी, सभापति विनोद सोनी, जिला पंचायत अध्यक्ष राजेश सूर्यवंशी, क्रेडा अध्यक्ष भूपेंद्र स्वन्नी सहित बड़ी संख्या में आम नागरिक उपस्थित थे।

राज्यपाल डेका ने राजधानी के मुख्य समारोह में विजेताओं को किया सम्मानित

सुरक्षा बलों की टुकड़ियों ने किया शानदार मार्चपास्ट, डॉग स्कवार्ड ने दिखाएं आकर्षक करतब, 16 विभागों की झांकियों ने मोहा मन, उद्योग विभाग की झांकी रही प्रथम

- केन्द्रीय रिजर्व बल के सशस्त्र सीमा बल को प्रथम पुरस्कार
- राज्य बलों में छत्तीसगढ़ सशस्त्र बल महिला को प्रथम पुरस्कार

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। गणतंत्र दिवस 2026 के अवसर पर पुलिस परेड ग्राउंड में सुरक्षाबलों के 17 टुकड़ियों ने कदम से कदम मिलाकर मार्चपास्ट किया। राज्यपालरमेन डेका ने परेड की सलामी ली और उनके कमांडर से परिचय प्राप्त किया। परेड कमांडर परीविक्षाधीन भारतीय पुलिस सेवा के अधिकारी अदित्य कुमार थे।

केन्द्रीय बल में सशस्त्र सीमा बल को प्रथम पुरस्कार, द्वितीय पुरस्कार सीमा सुरक्षा बल, तृतीय पुरस्कार भारत तिब्बत सीमा पुलिस ने प्राप्त किया। राज्य बलों में प्रथम पुरस्कार छत्तीसगढ़ सशस्त्र बल महिला, द्वितीय पुरस्कार छत्तीसगढ़ सशस्त्र बल पुरूष एवं तीसरा पुरस्कार छत्तीसगढ़ नगर सेना महिला ने प्राप्त की। जुनियर बल नेशनल कैडेट कोर के प्लाटून प्रथम स्थान एनसीसी सीनियर विंग गर्ल्स, एवं द्वितीय पुरस्कार एनसीसी सीनियर डिविजन ब्यॉस ने प्राप्त किया।

परेड में प्रस्तुति से कार्यक्रम का शोभा बढ़ाने के लिए महिला बैगपाईपर बैंड का नेतृत्व महिला आरक्षक 411, 20वीं वाहिनी छसबल महासमुंद सोनबती ठाकुर को प्रथम पुरस्कार, पुलिस बैंड प्लाटून से प्लाटून कमांडर लिलेश कुमार को द्वितीय पुरस्कार, पुलिस अश्वारोही दल से प्र.आर. अनिल कुमार यादव को तृतीय पुरस्कार एवं पुलिस श्वान दल से ए.पी.सी. राज कपूर को चतुर्थ पुरस्कार प्रदान किया गया।

16 विभागों की झांकियों ने मोहा मन, उद्योग विभाग की झांकी रही प्रथम

कृषि विकास एवं किसान कल्याण तथा जैव प्रौद्योगिकी विभाग की झांकी में पीएम आशा, पीएम किसान, नेशनल मिशन ऑन एडिबल ऑइलसीड-ऑइल पार्ल्म, वाटरशेड को प्रदर्शित की गई है। इस प्रकार खाद्य, नागरिक आपूर्ति एवं उपभोक्ता संरक्षण विभाग की झांकी में अन्न पूर्ति ग्रेन एटीएम मशीन, ग्रामोद्योग विभाग द्वारा अंजोर विजन 2047 की झांकी, जेल विभाग द्वारा स्वतंत्रता संग्राम सेनानी शहीद वीर नारायण सिंह की जेल बंदी को दर्शाया गया। नगरीय प्रशासन एवं विकास विभाग द्वारा वर्ष 2047 तक छत्तीसगढ़ के शहरों को स्वच्छता, सौन्दर्य और सुव्यवस्था की झलक दिखाई गई, जिसमें घर-घर कचरा संग्रहण, स्वच्छ शौचालय, साफ जल स्रोत शामिल है।

पंचायत एवं ग्रामीण विकास विभाग की झांकी में प्रधानमंत्री आवास योजना ग्रामीण, महिला स्वावलंबन, डिजिटल सेवाएं आदि को दर्शाया गया। पर्यटन, धर्मस्व, संस्कृति एवं पुरातत्व विभाग द्वारा छत्तीसगढ़ की पांच शक्तिपीठ देवियों - मां बम्लेश्वरी देवी डोगरगढ़, मां महामाया देवी रतनपुर, मां दंतेश्वरी देवी दंतेवाड़ा, मां कुदरगढ़ी देवी कुदरगढ़ सूरजपुर एवं मां चंद्रहासिनी देवी चंद्रपुर सहित अन्य प्राचीन एवं पुरातात्विक स्थलों को किया गया है। महिला एवं बाल विकास विभाग द्वारा झांकी के माध्यम से बाल विवाह मुक्त छत्तीसगढ़ को दर्शाया गया, लोक स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण विभाग द्वारा क्वालिटी प्रमाणीकरण, प्रधानमंत्री जनजातीय आदिवासी न्याय महाभियान को दर्शाया गया, लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी विभाग द्वारा ''हर घर जल, जीवंत आधार'' दर्शाया गया।

वन एवं जलवायु परिवर्तन विभाग की झांकी में राज्य में पर्यटन को उद्योग का दर्जा दिया जा रहा है। वन क्षेत्र अंतर्गत इको टूरिज्म को अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर छत्तीसगढ़ राज्य में एक अलग पहचान मिली है। वाणिज्य एवं उद्योग विभाग द्वारा भारत का पहला एआई आधारित सेज डाटा सेंटर तथा मध्य भारत का पहला सेमीकण्डटर प्लांट नवा रायपुर में निर्माणाधीन हैं, जिससे भारत के नक्शे में आईटी सेक्टर में छत्तीसगढ़ की उपस्थिति दर्ज हुई है। जनविश्वास विधेयक, ईज ऑफ डूइंग बिजनेस सुधारों, सिंगल विन्डो सिस्टम 2.0 और उद्योग-अनुकूल नीतियों से निवेशकों का छत्तीसगढ़ मंय विश्वास बढ़ा है, जिसके परिणामस्वरूप राज्य में 7 लाख 85 हजार करोड़ से अधिक से निवेश प्रस्ताव प्राप्त हुए हैं।

श्रम विभाग की झांकी में असंगठित एवं भवन निर्माण क्षेत्र के पंजीकृत श्रमिकों के बच्चों की बेहतर शिक्षा सुविधा हेतु छात्रवृत्ति योजनाएं संचालित है। श्रमिकों को स्वयं के भू-खण्ड पर आवास निर्माण एवं नवीन आवास क्रय हेतु अनुदान राशि प्रदाय की जाती है। दीदी ई-रिक्शा सहायता योजना के तहत महिलाओं को सब्सिडी के तौर पर सहायता राशि प्रदाय को दर्शाया गया है।

सहकारिता विभाग द्वारा ''अंजोर विजन-सहकार से विकास की ओर'' एवं शिक्षा विभाग द्वारा ऑटोमेटेड क्लासरूम, वर्चुअल रियलिटी, आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (AI), इंटरनेट ऑफ थिंग्स, डिजिटल पाठ्यक्रम, डिजिटल शिक्षा, सस्टेनेबल स्कूल, ग्लोबल कनेक्टिविटी को झांकी में प्रस्तुत किया गया। विभागों द्वारा प्रस्तुत की गई झांकियों में प्रथम पुरस्कार ग्रामोद्योग विभाग, द्वितीय पुरस्कार जेल विभाग एवं तृतीय पुरस्कार स्कूल शिक्षा विभाग को राज्यपाल रमेन डेका द्वारा प्रदान किया।

स्वत्वाधिकारी, मुद्रक, प्रकाशक राजेश अग्रवाल द्वारा मिशन मीडिया प्रा. लि. छत्तीसगढ़ भवन, प्रेस काम्पलेक्स, रजबंधा मैदान, रायपुर (छ.ग.) से मुद्रित कर, 204 आकाशगंगा सुपेला, भिलाई जिला दुर्ग (छ.ग.) से प्रकाशित। संपादक राजेश अग्रवाल shreekanchanpath2010@gmail.com, Mo - 9303289950